R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 15
अंक : 25
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
शुक्रवार, 03 अक्टूबर, 2025

जुनून है सच लिखने का

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

प्रयागराज, लखनऊ, ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित

डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/रजि0/एडी0/119/15-17

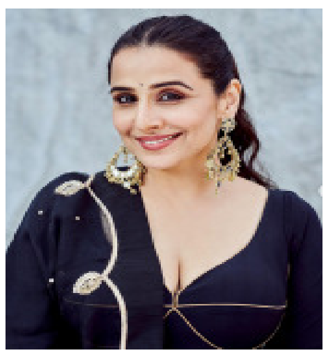

3 मिशन शक्ति' जागरूकता अभियान के अन्तर्गत ...
5 कमरे में मिला एसडीएम के चालक का शव
7 कभी एक रोल के लिए तरसी एक्ट्रेस, 40 बार...

विजयादशमी पर भागवत का राष्ट्र को संदेश : अशांति फैलाने वाली शक्तियां सक्रिय, देशहित में लोकतांत्रिक मार्ग चुनें

नागपुर **(एजेंसी)**। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने गुरुवार को पड़ोसी देशों में बढ़ती उथल-पुथल पर चिंता व्यक्त की और जनाक्रोश के कारण श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल में हुए सत्ता परिवर्तनों का हवाला दिया। अपने विजयादशमी भाषण में, भागवत ने चेतावनी दी कि भारत में भी, देश के भीतर और बाहर, ऐसी ही ताकतें सक्रिय हैं और उन्होंने परिवर्तन लाने के लिए लोकतांत्रिक तरीकों की आवश्यकता पर बल दिया।

भागवत ने कहा कि हाल के वर्षों में, हमारे पड़ोसी देशों में काफी उथल-पुथल रही है। श्रीलंका, बांग्लादेश और हाल ही में नेपाल में जनाक्रोश के हिंसक विस्फोट के कारण सत्ता परिवर्तन हमारे लिए चिंता का विषय है। भारत में ऐसी अशांति पैदा करने की चाह रखने वाली ताकतें हमारे देश के भीतर और बाहर दोनों जगह सक्रिय हैं। उन्होंने कहा कि असंतोष के स्वाभाविक और तात्कालिक कारण सरकार और समाज के बीच का विच्छेद और योग्य एवं जनोन्मुखी प्रशासकों का अभाव हैं। हालाँकि, हिंसक विस्फोटों में वांछित परिवर्तन लाने की शक्ति नहीं होती।

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि समाज ऐसा परिवर्तन केवल लोकतांत्रिक तरीकों से ही प्राप्त कर सकता है। अन्यथा, ऐसी हिंसक परिस्थितियों में, इस बात की संभावना बनी रहती है कि विश्व की प्रमुख शक्तियाँ अपने खेल खेलने के अवसर ढूँढ़ने लगें। ये पड़ोसी देश भारत के साथ सांस्कृतिक और नागरिकों के बीच दीर्घकालिक संबंधों के आधार पर जुड़े हुए हैं। एक तरह से, वे हमारे अपने परिवार का हिस्सा हैं। इन देशों में शांति, स्थिरता, समृद्धि और सुख-सुविधा सुनिश्चित करना, इन देशों के साथ हमारे स्वाभाविक आत्मीयता से उत्पन्न आवश्यकता है, जो हमारे हितों की रक्षा के विचार से परे है।

भागवत ने नक्सलवादी आंदोलन को नियंत्रण में लाने के लिए सरकार के प्रयासों की सराहना की, लेकिन प्रभावित क्षेत्रों में न्याय, विकास और सद्भाव सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक कार्य योजना की आवश्यकता पर बल दिया। भागवत ने आगे कहा कि सरकार के दृढ़ कदमों और लोगों में नक्सलवादी विचारधारा के खोखलेपन और क्रूरता के प्रति जागरूकता के कारण चरमपंथी नक्सलवादी आंदोलन पर काफी हद तक काबू पा लिया गया है। इन क्षेत्रों में नक्सलियों की लोकप्रियता का मूल शोषण और अन्याय, विकास का अभाव और प्रशासन में इन मामलों के प्रति संवेदनशीलता का अभाव है। अब जब ये बाधाएँ दूर हो गई हैं, तो इन क्षेत्रों में न्याय, विकास, सद्भावना, सहानुभूति और सद्भाव सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक कार्य योजना की आवश्यकता है।

भागवत ने वैज्ञानिक प्रगति, तकनीकी उन्नति और वैश्विक अंतर्संबंधों से उत्पन्न चुनौतियों पर भी प्रकाश डाला, जिन्होंने मानवता के लिए नई समस्याएँ पैदा की हैं। उन्होंने कहा कि इन परिवर्तनों के प्रति मानवीय अनुकूलन की गति धीमी है, जिसके परिणामस्वरूप पर्यावरणीय क्षति, सामाजिक और पारिवारिक बंधनों का कमज़ोर होना और बढ़ती शत्रुता जैसी समस्याएँ उत्पन्न हो रही हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में, वैज्ञानिक प्रगति, मानव जीवन के अनेक पहलुओं को अधिक सुविधाजनक बनाने की तकनीक की क्षमता, और संचार एवं वैश्विक व्यापार के कारण देशों के बीच बढ़ती अंतर्संबंधता एक सकारात्मक तस्वीर प्रस्तुत करती है। हालाँकि, वैज्ञानिक और तकनीकी प्रगति की गति और मनुष्य द्वारा इनके अनुकूल होने की गति में काफ़ी अंतर है। इसके कारण, आम लोगों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसी प्रकार, हम अन्य समस्याओं को भी देख रहे हैं, जैसे दुनिया भर में चल रहे युद्ध और संघर्ष (बड़े और छोटे दोनों), पर्यावरणीय क्षति के कारण प्रकृति का प्रकोप, सामाजिक और पारिवारिक बंधनों का कमज़ोर होना, और रोज़मर्रा के जीवन में दूसरों के प्रति बढ़ता दुर्व्यवहार और शत्रुता।

भागवत ने कहा कि इन सभी समस्याओं के समाधान के प्रयास किए गए हैं, लेकिन वे इनकी प्रगति को रोकने या इनका कोई व्यापक समाधान प्रदान करने में विफल रहे हैं। सभी देशों को विकृत और शत्रुतापूर्ण शक्तियों से खतरा है, जो मानती हैं कि इन समस्याओं के समाधान के लिए संस्कृति, आस्था, परंपरा आदि जैसे सभी बंधनों का पूर्ण विनाश आवश्यक है। ये शक्तियाँ मानवता को प्रभावित करने वाली सामाजिक बुराइयों, संघर्षों और हिंसा को और बढ़ाएँगी। भारत में भी, हम इन सभी परिस्थितियों का विभिन्न रूपों में अनुभव कर रहे हैं। विश्व उत्सुकता से भारतीय दर्शन पर आधारित समाधानों की प्रतीक्षा कर रहा है।

जुबीन गर्ग की मौत का सस्पेंस बढ़ा मैनेजर-आयोजक पर हत्या का आरोप, असम पुलिस जांच में जुटी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। असम पुलिस ने लोकप्रिय गायक ज़ुबीन गर्ग की हाल ही में सिंगापुर में हुई मौत के बाद उनके प्रबंधक सिद्धार्थ शर्मा और महोत्सव के आयोजक श्यामकानु महंत के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है। दोनों को बुधवार को दिल्ली से हिरासत में लिया गया और बाद में असम लाया गया। एक स्थानीय अदालत ने दोनों को 14 दिनों की पुलिस हिरासत में भेजने का आदेश दिया है। विशेष पुलिस महानिदेशक (सीआईडी) मुन्ना प्रसाद गुप्ता के अनुसार, शुरुआती जांच के आधार पर गिरफ्तारियाँ की गईं और जाँच दल दोनों से पूछताछ कर रहा है।

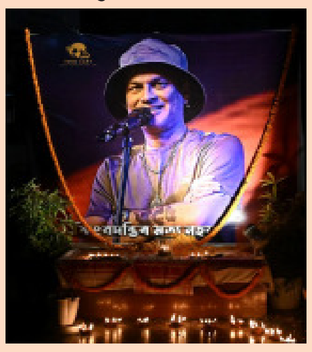

बताया जा रहा है कि जांच जारी है और मैं ज़्यादा जानकारी साझा नहीं कर सकता। हमने अब एफआईआर में बीएनएस की धारा 103 जोड़ दी है। बुधवार को, पुलिस ने घोषणा की कि शर्मा और महंत पर बीएनएस की कई धाराओं के तहत आरोप लगाए गए हैं, जिनमें गैर इरादतन हत्या, आपराधिक साजिश और लापरवाही के कारण मौत का कारण बनना शामिल है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, ज़ुबीन गर्ग की सिंगापुर में एक द्वीप के पास तैरते समय डूबने से मृत्यु हो गई। यह पहले के उन दावों के विपरीत है जिनमें कहा गया था कि स्कूबा डाइविंग के दौरान उनकी मृत्यु हुई।

सिंगापुर पुलिस बल (एसपीएफ) ने औपचारिक अनुरोध के बाद भारतीय उच्चायोग के साथ अपनी प्रारंभिक जाँच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट की एक प्रति साझा की। उच्चायोग ने दस्तावेज़ प्राप्त होने की पुष्टि की है। मामले से परिचित एक सूत्र ने बताया कि रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से डूबने को मृत्यु का कारण बताया गया है। असम के रहने वाले गर्ग भारत और सिंगापुर के बीच राजनयिक संबंधों की 60वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए सिंगापुर आए थे। वह भारत-आसियान पर्यटन वर्ष समारोह और पूर्वोत्तर भारत महोत्सव में भी शामिल हुए थे।

ज़ुबीन की पत्नी गरिमा सैकिया गर्ग, जो गायक के निधन के बाद 13वें दिन के अनुष्ठान के लिए जोरहाट में हैं, ने पत्रकारों से कहा कि अब उन्हें राहत महसूस हो रही है क्योंकि दोनों व्यक्तियों को असम वापस लाया गया है। उन्होंने कहा कि हर कोई यह जानने के लिए उत्सुक है कि उनके अंतिम क्षणों में वास्तव में क्या हुआ था।

मोदी होते तो कांग्रेस राज में ही होता पाकिस्तान पर एक्शन, 'ऑपरेशन सिंदूर' की नौबत न आती-गिरिराज

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने गुरुवार को कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों में उसके नेताओं ने ऐतिहासिक रूप से कमज़ोर शासन का प्रदर्शन किया है। बेगूसराय में एएनआई से बात करते हुए, केंद्रीय मंत्री ने राहुल गांधी पर 'अर्बन नक्सल' जैसा व्यवहार करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जब राहुल गांधी जैसी पार्टी का नेता अर्बन नक्सल जैसा व्यवहार करता है, तो स्वाभाविक है कि कांग्रेस के लोग भी वैसी ही बातें कहेंगे। चिदंबरम साहब ने जो कहा है, वह बहुत देर से कहा है। उन्होंने कहा कि मनमोहन सिंह सरकार एक कमज़ोर सरकार थी, उसमें कोई इच्छाशक्ति नहीं थी, और इच्छाशक्ति इसलिए नहीं थी क्योंकि कांग्रेस पाकिस्तान को वोट का ज़रिया समझती है। मुझे समझ नहीं आता कि देश बड़ा है, पार्टी बड़ी है या वोट बड़ा है।

उन्होंने पिछली कांग्रेस सरकार और वर्तमान सरकार के बीच अंतर पर ज़ोर देते हुए कहा, 'यह अल्पमत सरकार नहीं थी, लेकिन इच्छाशक्ति कमज़ोर थी; अगर उस समय प्रधानमंत्री मोदी की सरकार होती, तो आज ऑपरेशन सिंदूर के ज़रिए पाकिस्तान पर जो कार्रवाई की गई है, शायद अगर उस समय नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री होते, तो वे उस समय कार्रवाई कर देते, इसलिए आज ऑपरेशन सिंदूर की ज़रूरत नहीं पड़ती।' उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की 100वीं वर्षगांठ के अवसर पर उसकी भूमिका की भी प्रशंसा की।

इस अवसर पर, सिंह ने आरएसएस के 100 वर्ष पूरे होने पर देशवासियों को बधाई दी और भारत के विकास के लिए संगठन की निस्वार्थ सेवा और प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध, बाढ़, सूखे और अन्य आपदाओं सहित विभिन्न राष्ट्रीय संकटों में आरएसएस की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संघ के स्वयंसेवक हमेशा सेवा में सबसे आगे रहे हैं। इस बीच, बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी में आरएसएस के शताब्दी समारोह के दौरान बोलते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्र निर्माण के लिए आरएसएस की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि आरएसएस ने वर्षों से अनगिनत लोगों के जीवन को पोषित और मजबूत करने में मदद की है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जिस तरह मानव सभ्यताएँ विशाल नदियों के किनारे फलती-फूलती हैं, उसी तरह, सैकड़ों जीवन तटों पर और आरएसएस के प्रवाह में खिले और फले-फूले हैं। अपने गठन के बाद से, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने एक महान उद्देश्य का अनुसरण किया है। वह उद्देश्य राष्ट्र निर्माण रहा है।

पीएम मोदी ने दी बापू-शास्त्री को श्रद्धांजलि, बोले-उनके मूल्यों से ही मजबूत और विकसित बनेगा भारत

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को महात्मा गांधी की जयंती पर राजघाट जाकर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। गांधी जयंती के अवसर पर, प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रपिता के आदर्शों ने मानव इतिहास की दिशा बदल दी। सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में, प्रधानमंत्री ने कहा कि गांधीजी ने दिखाया कि कैसे साहस और सादगी महान परिवर्तन के साधन बन सकते हैं। वे सेवा और करुणा की शक्ति को लोगों को सशक्त बनाने के अनिवार्य साधन मानते थे। उन्होंने आगे कहा, 'हम एक विकसित भारत के निर्माण के अपने प्रयास में उनके बताए मार्ग पर चलते रहेंगे।' 2 अक्टूबर, 1869 को गुजरात के पोरबंदर में जन्मे मोहनदास करमचंद गांधी, जिन्हें महात्मा गांधी के नाम से भी जाना जाता है, अहिंसक प्रतिरोध के अग्रदूत थे। अहिंसा और सत्याग्रह के अपने दर्शन के माध्यम से, उन्होंने लाखों भारतीयों को ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। भारत की स्वतंत्रता प्राप्ति के कुछ ही महीनों बाद, 30 जनवरी, 1948 को, नई दिल्ली स्थित गांधी स्मृति में नाथूराम गोडसे ने महात्मा गांधी की हत्या कर दी थी। उनके जीवन और बलिदान को दुनिया भर में शांति और मानवीय गरिमा के प्रतीक के रूप में याद किया जाता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को उनकी जयंती पर विजय घाट पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने उन्हें एक असाधारण राजनेता बताया जिनकी ईमानदारी, विनम्रता और दृढ़ संकल्प ने भारत को मजबूत बनाया। प्रधानमंत्री ने कहा, 'उन्होंने अनुकरणीय नेतृत्व, शक्ति और निर्णायक कार्रवाई को मूर्त रूप दिया। 'जय जवान जय किसान' के उनके आह्वान ने हमारे लोगों में देशभक्ति की भावना जगाई। वे हमें एक मजबूत और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के प्रयास में निरंतर प्रेरित करते रहेंगे।'

शास्त्री जी का जन्म 1904 में उत्तर प्रदेश में हुआ था और जवाहरलाल नेहरू के निधन के बाद वे देश के प्रधानमंत्री बने। प्रधानमंत्री के रूप में अपने छोटे से कार्यकाल में, जब भारत पाकिस्तान के साथ युद्ध लड़ रहा था, उनकी ईमानदारी और देश के नेतृत्व ने उन्हें सर्वत्र प्रशंसा दिलाई। गांधी जी की शिक्षाओं से अत्यंत प्रभावित शास्त्री जी एक साधारण परिवार से निकलकर प्रधानमंत्री बने और अपनी सादगी, ईमानदारी और आम जनता से जुड़ने की क्षमता के लिए व्यापक रूप से प्रशंसित थे। उनकी विरासत भारत को आत्मनिर्भरता और प्रगति की दिशा में प्रेरित करती रहती है।

बुराई पर अच्छाई की जीत का महापर्व विजयादशमी आज देशभर में उत्साह का माहौल, राष्ट्रपति-पीएम ने दी बधाई

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दशहरा, जिसे विजयादशमी के नाम से भी जाना जाता है, नवरात्रि और दुर्गा पूजा उत्सव का दसवाँ और अंतिम दिन है। यह बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है, क्योंकि पौराणिक कथाओं के अनुसार, यह राक्षस रावण पर भगवान राम की विजय और महिषासुर पर देवी दुर्गा की विजय का उत्सव है। आज देशभर में दशहरा की धूम है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस अवसर पर देशवासियों को बधाई दी है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को विजयादशमी की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को शुभकामनाएं दीं और इस पर्व के सत्य, न्याय और सद्भाव के संदेश पर प्रकाश डाला। अपने संदेश में, राष्ट्रपति ने कहा, 'विजयादशमी के पावन अवसर पर, मैं सभी देशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ देती हूँ।' राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक विजयादशमी का पर्व हमें सत्य और न्याय के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। देश के विभिन्न भागों में रावण दहन और दुर्गा पूजा के रूप में मनाया जाने वाला यह पर्व हमारे राष्ट्रीय मूल्यों को दर्शाता है। यह पर्व हमें क्रोध और अहंकार जैसी नकारात्मक प्रवृत्तियों का त्याग करके साहस और दृढ़ संकल्प जैसी सकारात्मक प्रवृत्तियों को अपनाने की शिक्षा भी देता है। यह पर्व हमें एक ऐसे समाज और देश के निर्माण के लिए प्रेरित करे जहाँ सभी लोग न्याय, समानता और सद्भाव के विचारों से प्रेरित होकर एक साथ आगे बढ़ें।

मोदी ने विजयादशमी के अवसर पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं और इस त्यौहार के असत्य और बुराई पर धर्म की जीत के शाश्वत संदेश पर जोर दिया। इस दिन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि विजयादशमी उस शाश्वत सत्य का प्रतीक है कि अच्छाई और पुण्य हमेशा बुराई और छल पर भारी पड़ते हैं। उन्होंने कामना की कि यह त्योहार देश भर के लोगों को जीवन में साहस, ज्ञान और भक्ति को मार्गदर्शक शक्तियों के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित करे।

दशहरा, जिसे विजयादशमी के नाम से भी जाना जाता है, भारत में सबसे महत्वपूर्ण हिंदू त्योहारों में से एक है और इस वर्ष 2 अक्टूबर को मनाया जाएगा। यह बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है और पूरे देश में विभिन्न तरीकों से मनाया जाता है। यह राक्षस राजा रावण पर भगवान राम की विजय का स्मरण करता है, जो अहंकार और बुराई पर सत्य और धर्म की विजय का प्रतीक है। रावण, मेघनाद और कुंभकरण के पुतले दहन भारत के कई हिस्सों में एक लोकप्रिय परंपरा है। यह त्योहार लोगों को क्रोध, लोभ, अभिमान और ईर्ष्या जैसी आंतरिक बुराइयों पर विजय पाने और सत्य, सदाचार और धर्म के मूल्यों को बनाए रखने के लिए भी प्रेरित करता है।

राजनाथ सिंह की पाकिस्तान को दो टूक 'दुस्साहस किया तो बदल जाएगा इतिहास-भूगोल'

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को चेतावनी दी कि सर क्रीक क्षेत्र में पाकिस्तान के किसी भी दुस्साहस का ऐसा निर्णायक जवाब दिया जाएगा जिससे इतिहास और भूगोल दोनों बदल जाएँगे। सिंह ने विजयादशमी के अवसर पर कच्छ के लक्की नाला सैन्य छावनी में आयोजित बहु-एजेंसी क्षमता अभ्यास में भाग लिया और शस्त्र पूजन समारोह में भाग लिया। उन्होंने कहा कि भारत ने बार-बार बातचीत के जरिए सीमा विवाद को सुलझाने की कोशिश की है, लेकिन पाकिस्तान के अस्पष्ट इरादे और क्षेत्र के पास हालिया सैन्य जमावड़ा चिंताजनक है।

सिंह ने कहा कि भारतीय सेना और बीएसएफ सतर्कतापूर्वक सीमाओं की रक्षा कर रहे हैं। एक सैन्य शिविर में जवानों को संबोधित करते हुए, सिंह ने कहा, 'आज़ादी के 78 साल बाद भी, सर क्रीक क्षेत्र में सीमा विवाद को हवा दी जा रही है। भारत ने इसे बातचीत के ज़रिए सुलझाने के कई प्रयास किए हैं, लेकिन पाकिस्तान की नीयत में खोट है; उसके इरादे साफ़ नहीं हैं। जिस तरह से पाकिस्तानी सेना ने हाल ही में सर क्रीक से सटे इलाकों में अपने सैन्य ढाँचे का विस्तार किया है, उससे उसकी नीयत का पता चलता है।'

उन्होंने कहा कि भारतीय सेना और बीएसएफ संयुक्त रूप से और सतर्कता से भारत की सीमाओं की रक्षा कर रहे हैं। अगर सर क्रीक क्षेत्र में पाकिस्तान की ओर से कोई दुस्साहस करने की कोशिश की गई, तो उसे ऐसा करारा जवाब मिलेगा कि इतिहास और भूगोल दोनों बदल जाएँगे। 1965 के युद्ध में, भारतीय सेना ने लाहौर तक पहुँचने की क्षमता का प्रदर्शन किया था। आज 2025 में, पाकिस्तान को याद रखना चाहिए कि कराची जाने का एक रास्ता इसी खाड़ी से होकर गुजरता है।

सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, भारतीय सशस्त्र बलों ने भारत की संप्रभुता को चुनौती देने के पाकिस्तान के प्रयासों को सफलतापूर्वक विफल कर दिया, और खतरों का पता लगाने और उन्हें बेअसर करने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि इस अभियान ने सभी सैन्य उद्देश्य हासिल कर लिए, लेकिन इसका लक्ष्य आतंकवाद था और भारत ऐसे खतरों के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखे हुए है।

सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, हमारे सशस्त्र बलों ने यह प्रदर्शित किया कि भारत की संप्रभुता को चुनौती देने वाली ताकतें, चाहे वे कहीं भी छिपी हों, हमारे पास उन्हें ढूंढ़ने और उनका सफाया करने की शक्ति है। दुनिया की कोई भी ताकत, अगर वह हमारी संप्रभुता को चुनौती देती है, तो भारत को चुप नहीं बैठेगी। आज का भारत कहता है कि चाहे आतंकवाद हो या कोई अन्य समस्या, हमारे पास उससे निपटने और उसे हराने की क्षमता है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, पाकिस्तान ने लेह से लेकर सर क्रीक के इस क्षेत्र तक भारत की रक्षा प्रणाली में सेंध लगाने का असफल प्रयास किया।

राहुल गांधी पर भड़कीं कंगना रनौत! कहा- वह एक 'कलंक' हैं, हर जगह देश को करते हैं बदनाम!

शिमला **(एजेंसी)**। बीजेपी सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर जोरदार हमला किया है। कंगना रनौत ने राहुल गांधी को 'कलंक' करार दिया है। सांसद कंगना ने आरोप लगाया है कि राहुल गांधी हर जगह जाकर भारत को बदनाम करने की कोशिश करते हैं। राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कंगना रनौत ने कहा कि 'वह एक कलंक हैं। सब जानते हैं कि वह हर जगह देश को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं, देश की आलोचना कर रहे हैं।' अगर वह देश की आलोचना कर रहे हैं, कह रहे हैं कि यहाँ के लोग झगड़ालू हैं, यहाँ के लोग ईमानदार नहीं हैं, तो इन सब बातों से वह यह दिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि भारत के लोग नासमझ हैं।'कंगना ने साफ कहा, 'अगर वह यही कहना चाहते हैं, तो इसीलिए मैं उन्हें कलंक कहती हूं। वह हमेशा देश को शर्मसार करते हैं। देश को भी उन पर शर्म आती है।' कंगना रनौत राजधानी दिल्ली में खादी के मुद्दे पर बात कर रही थीं। इस दौरान उन्होंने देश की आत्मनिर्भरता पर भी ज़ोर दिया। कंगना ने कहा कि आज हमारे स्वदेशी कपड़ों और फैब्रिक की पूरी दुनिया में बहुत मांग है। उन्होंने प्रधानमंत्री की बात दोहराते हुए कहा, 'दुर्भाग्य से हमें चीज़ों के लिए दूसरे देशों पर निर्भर रहना पड़ता है, इसलिए अब पूरी तरह से आत्मनिर्भर होने का समय है।' कंगना ने बताया कि वह प्रधानमंत्री की अपील का सम्मान करते हुए खादी खरीदने आई हैं, क्योंकि उन्होंने 'मन की बात' में खास तौर पर कहा था कि हमें 2 अक्टूबर को खादी खरीदनी चाहिए।

कंटेनर की टक्कर से पोल टूटा, 14 घंटे गुल रही बिजली

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। अजुहा कस्बा स्थित भोला चौराहा के समीप बुधवार सुबह एक तेज रफ्तार कंटेनर डिवाइडर पर उछलने के बाद अनियंत्रित होकर विद्युत पोल से टकरा गया। इससे पोल टूट गया। परिणाम रहा कि कस्बे के दो वार्ड की आापूर्ति करीब 14 घंटे तक ठप रही। नागरिकों को गर्मी में परेशानियों का सामना करना पड़ा। एटा जनपद के कासगंज का टिंकू पुत्र राजपाल कंटेनर चालक है। जबकि, परिचालक सुमित पुत्र गोपीचंद्र निवासी गढ़वाल प्रांत उत्तराखंड है। दोनों कंटेनर में उड़ीसा के भुवनेश्वर से पार्सल लोड कर दिल्ली जा रहे थे। भोला चौराहा के समीप डिवाइडर पर उछलने के बाद बुधवार सुबह करीब छह बजे कंटेनर अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से टकरा गया। इससे खंभा टूट गया। उस वक्त विद्युत आपूर्ति भी चालू थी। लोगों ने तत्काल उपकेंद्र में फोन कर आपूर्ति बंद कराई। गनीमत ये रही कि चालक-परिचारक करंट की चपेट में नहीं आए। उधर, पोल टूटने से अजुहा के वार्ड नम्बर 10 और 12 की आपूर्ति ठप हो गई। सुबह छह बजे से गई लाइट रात को आठ बजे के आसपास आई। तब जाकर नागिरकों ने राहत की सांस ली। इससे पहले भीषण गर्मी में उनको परेशान होना पड़ा।

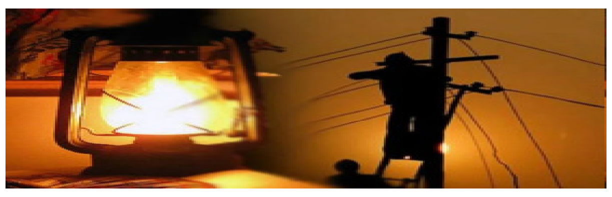

आरएसएस के इतिहास को पाठ्यक्रम में शामिल करेगा मुक्त विश्वविद्यालय - प्रोफेसर सत्यकाम

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के पाठ्यक्रमों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का इतिहास शामिल किया जाएगा। भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत आर एस एस के इतिहास को स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में शामिल करने की घोषणा गांधी जयंती के अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने की।

कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) और भारतीय ज्ञान परंपरा के बीच एक गहरा संबंध है। आरएसएस की विचारधारा में भारतीय ज्ञान परंपरा और सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण स्थान है।प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि आरएसएस की दृष्टि में भारतीय ज्ञान परंपरा केवल धार्मिक या दार्शनिक विचारों तक सीमित नहीं है बल्कि इसमें सामाजिक, राजनीतिक और नैतिक मूल्य भी शामिल हैं। भारतीय ज्ञान परंपरा में विश्व कल्याण के लिए महत्वपूर्ण संदेश है। आरएसएस भारतीय ज्ञान परंपरा के विभिन्न पहलुओं वसुधैव कुटुम्बकम, सहिष्णुता और विविधता तथा आत्मनिर्भरता और स्वदेशी पर जोर देता है। उन्होंने बताया कि स्थानीय उत्पादों और स्वदेशी विचारों को बढ़ावा देने के लिए इसे पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जा रहा है। इसका उद्देश्य भारतीय समाज को मजबूत और एकजुट करना है।

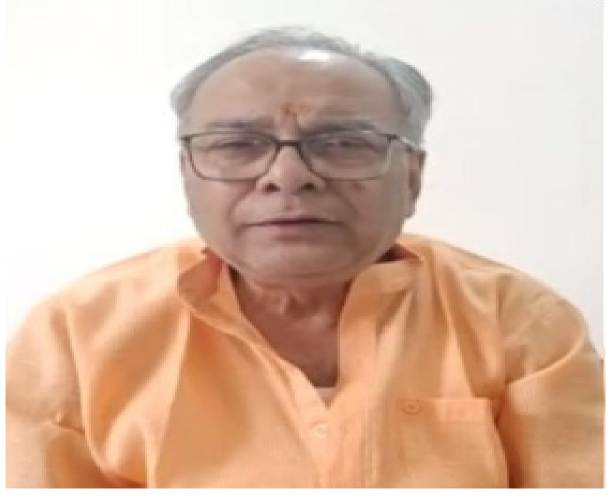

कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि भारतीय जीवनशैली परंपरागत मूल्यों, सामाजिक समरसता, परस्पर स्नेह एवं आत्मीयता पर आधारित है। मानवीय मूल्यों के विकास एवं आदर्श के उन्नयन में भारतीय जीवन शैली की महत्वपूर्ण उपादेयता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के इस कदम से युवाओं में राष्ट्रीयता के प्रति अनन्यता का भाव उत्पन्न होगा और विकसित राष्ट्र की अवधारणा साकार होगी।

करंट की चपेट में आने से युवक की मौत, चक्काजाम

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। पइंसा थाना क्षेत्र के कुंड्रावी गांव के समीप बुधवार दोपहर हाईवोल्टेज करंट की चपेट में आकर एक युवक की मौत हो गई। घटना से नाराज परिजनों व ग्रामीणों ने बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए घटमापुर चौराहे पर शव रखकर सिराथू-धाता मार्ग जाम कर दिया। हंगामे ही सूचना पर पुलिस अधिकारियों के हाथ-पांव फूल गए। पुलिस करीब ढाई घंटे बाद समझा-बुझाकर मार्ग बहाल करा सकी। इससे पहले जाम में फंसे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। मृतक के पिता ने जेई, एसएसओ, लाइनमैन समेत अन्य विद्युत कर्मचारियों के खिलाफ तहरीर दी है। पइंसा के कैमा गांव का 35 वर्षीय शिवपूजन पुत्र गंगादीन किसानी करता था। बुधवार की दोपहर वह किसी काम से पैदल घटमापुर बाजार जा रहा था। परिजनों का आरोप है कि कुंड्रावी गांव स्थित नहर के समीप आंधी के कारण 11 हजार वोल्ट का विद्युत तार टूटकर जमीन पर पड़ा था। इसमें करंट दौड़ रहा था। इसी की चपेट में आकर युवक की मौत हो गई। इससे गुस्साए परिजनों व ग्रामीणों ने घटमापुर चौराहे पर शव रखकर सिराथू-धाता मार्ग जाम कर दिया। वह बिजली विभाग के दोषी अफसरों और कर्मचारियों की मांग कर रहे थे। हंगामे ही जानकारी मिलते ही तहसीलदार सिराथू, पइंसा इंस्पेक्टर रोशनलाल कई थानों की फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने करीब ढाई घंटे बाद कार्रवाई का आश्वासन देकर जाम हटवाया। तब जाकर राहगीरों ने राहत की सांस ली। इससे पहले भीषण जाम में फंसे कौशाम्बी व फतेहपुर समेत दो जिलों के लोगों को घोर परेशानियों का सामना करना पड़ा। पुलिस ने मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के बाद से परिवारीजनों के आंसू थामे नहीं थम रहे हैं।

राम-रावण की सेना के बीच हुआ कुप्पी युद्ध

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। दोनों पक्षों के 25-25 सेनानियों ने युद्ध का सजीव दृश्यांकन किया खुले मैदान में राम-रावण पक्ष के योद्धाओं के बीच हुआ तीखा संवाद सिराथू(कौशाम्बी) हिंदुस्तान संवाद। कौशाम्बी जिले में दारानगर की 246वीं रामलीला गुरुवार को परंपरा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। विजयादशमी पर राम और रावण की सेनाओं के बीच सजीव कुप्पी युद्ध हुआ। आज पहला दिन था, कल भी युद्ध होगा जो निर्णायक होगा। उसके बाद एकादशी तिथि को रावण के पुतले का दहन किया जाएगा। राम और रावण की ओर से 25-25 सेनानियों ने मैदान में उतरकर कुप्पियों से युद्ध किया। इस रोमांचक दृश्य को देखकर मैदान तालियों और जयकारों से गूंज उठा।

दोनों दलों के बीच वार-पलटवार का अद्भुत संग्राम दर्शकों को ऐतिहासिक कालखंड की झलक दिखाता रहा। युद्ध के बीच लक्ष्मण-मेघनाद संग अन्य प्रसंगों का मंचन भी हुआ, जिसने लीलाओं की गरिमा और बढ़ा दी। परंपरा के अनुसार पहले दिन युद्ध अनिर्णाय रहता है और दूसरे दिन राम की सेना विजय प्राप्त करती है। यही कारण है कि विजयादशमी पर दो दिनों तक चलने वाला यह कुप्पी युद्ध दारानगर की रामलीला को विशिष्ट बनाता है।

सुरक्षा व्यवस्था रही चाक-चौबंद ऐतिहासिक आयोजन को देखने के लिए दारानगर रामलीला मैदान में जनसैलाब उमड़ पड़ा। श्रद्धालुओं और दर्शकों की भारी भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन ने पुख्ता सुरक्षा इंतजाम किए थे। डीएम, एसपी, सीओ और एसडीएम स्वयं मैदान में मौजूद रहे। साथ ही पर्याप्त पुलिस बल, महिला पुलिसकर्मियों और पैरा मिलिट्री की तैनाती रही। दारानगर की रामलीला केवल धार्मिक आयोजन भर नहीं, बल्कि 246 वर्षों से जीवित विरासत है। यहां की परंपराएं समाज को न केवल भारतीय संस्कृति और आदर्शों से जोड़ती हैं, बल्कि गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल भी प्रस्तुत करती हैं। हर वर्ष हजारों की संख्या में श्रद्धालु व दर्शक दूर-दराज़ से इस अद्भुत कुप्पी युद्ध और सजीव लीलाओं को देखने आते हैं।

विवाहिता की हत्या के आरोपी पति और जेठ बंदी

कौशाम्बी। दहेज हत्या के मामले में फरार चल रहे मृतका के पति व जेठ को बुधवार सुबह करारी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। लिखापढ़ी के बाद दोनों का चालान कर दिया गया है। मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के देवखरपुर गांव निवासी रामकेश ने बताया कि उसने साल भर पहले 25 वर्षीय बेटी अर्चना की शादी बट बंधुरी में जगदीश के साथ की थी। आरोप है कि शादी में मिले दहेज से बेटी के ससुरालवाले संतुष्ट नहीं थे। चार पहिया गाड़ी की मांग करते थे। इसके लिए बेटी को प्रताड़ित किया जा रहा था। इसे लेकर कई बार रिश्तेदारों के बीच पंचायत हुई थी। सभी ने ससुरालवालों को समझाया था, लेकिन उनका रवैया नहीं बदला। पीड़ित पिता का आरोप है कि 25 सितम्बर की रात दहेज के लिए बेटी अर्चना को उसके पति व जेठ पंकज ने बेरहमी से पीटा। इसके बाद जबरन जहर पिला दिया। फिर खुद को निर्दोष और मामला खुदकुशी का साबित करने के लिए बेटी को लेकर मेडिकल कॉलेज गए। वहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मामले में पति व जेठ के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा कायम हुआ था। दोनों को कोर्ट ने जेल भेज दिया है।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत

कौशाम्बी। सरायअकिल थाना क्षेत्र के मौहरिया गांव में ब्याही महिला की मंगलवार रात संदिग्ध परिस्थितियों में मुंबई में मौत हो गई। घटना से पीड़ित परिवार में कोहराम मच गया है। परिवार की ओर से फिलहाल यहां पुलिस को किसी तरह की कोई तहरीर नहीं दी गई है। संदीपन घाट क्षेत्र के मोहनापुर हथियाभीट गांव निवासी रामचंद्र रैदास पुत्र मेवालाल ने बताया कि उन्होंने अपनी तीन बेटियों में सबसे बड़ी 30 वर्षीय बेटी आरती की शादी मौहरिया गांव निवासी अमर सिंह पुत्र मान सिंह के साथ की थी। शादी के बाद कुछ दिन तक सब ठीक चला लेकिन, बाद में नंद और देवर विवाद करने लगे। इस पर पति आरती को लेकर मुंबई के कांदिवली में रहने लगा। साथ में देवर भी रहता था। बताया कि उन्हें मंगलवार की रात दामाद ने फोन कर बेटी आरती के फांसी लगाकर जान देने की जानकारी दी।

महात्मा गाँधी ज़ी एवं शास्त्री जी की जयंती पर किया नमन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी ज़ी एवं देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व लालबहादुर शास्त्री ज़ी की जयंती आज सपा कार्यालय में गोष्ठी आयोजित कर मनाई गई।दोनों महापुरुषों के चित्र पर फूल माला अर्पित कर सपा नेताओं, कार्यकर्ताओ ने नमन किया।

गोष्ठी में एमएलसी डॉ मानसिंह यादव, विधायक हाकिम लाल बिन्द ने कहा कि देश की आजादी से लेकर आजाद भारत वासियों की जीवन शैली, सामाजिक सौहार्द एवं विकास के मानकों को नये तरीके से गढ़ने का काम दोनों महा पुरुषों ने जीवन पर्यंत किया। देश आज ऐसे महा पुरुषो को नमन कर रहा है। जिलाध्यक्ष गंगापार अनिल यादव, महानगर अध्यक्ष सैयद इफ़्तेख़ार हुसैन, यमुनापार अध्यक्ष पप्पू लाल निषाद ने कहा कि आज राजनीति में कदम रखने वाले हर युवाओं को इन जैसे महा पुरुषो से प्रेरणा लेनी चाहिए।

इस मौके पर अन्य लोंगो में राम मिलन यादव, प्रदेश सचिव रविन्द्र यादव, श्रीमती कमला यादव, रविन्द्र यादव एडवोकेट, जगदीश यादव, महबूब उस्मानी, सचिन यादव, मनीष यादव, महेन्द्र निषाद, कमलेश, दान बहादुर मधुर, खिन्नी लाल पासी, राम अवध पाल, कुलदीप यादव, आर एन यादव, सचिन श्रीवास्तव, रजनीश भारती, आसुतोष तिवारी, मृत्युंजय पाण्डेय, मोईन हबीबी, सऊद अहमद, मोहसीब, संतोष यादव, मकबूलहासमी, संदीप विश्वकर्मा, राजेश सरोज, अमित, राजेश यादव, महेन्द्र सरोज, सुशील यादव आदि मौजूद रहे।

जगदीशपुर दुर्गा मंदिर में भव्य भंडारा उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

थरवई। ग्राम जगदीशपुर पूरे चंदा स्थित प्राचीन मां दुर्गा मंदिर में नौ दिनों तक चले भक्ति-मय मां भगवतीजागरण कार्यक्रम के उपरांत दशमी तिथि पर गुरुवार को भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। सुबह से देर शाम तक मंदिर परिसर श्रद्धालुओं से खचाखच भरा रहा। भक्तों ने कतारबद्ध होकर महाप्रसाद ग्रहण किया और मां दुर्गा के जयकारों से वातावरण गुंजायमान होता रहा।आयोजन में हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। भंडारे की भव्य व्यवस्था सज्जन द्विवेदी, रामगोपाल शुक्ला, बाबा यादव, नरेंद्र यादव, वीरेंद्र कुमार यादव, मुकेश कुमार पांडेय, मुकेश कुमार उर्फ डॉक्टर शुक्ला, संतोष शुक्ला, गौरव द्विवेदी, राजा द्विवेदी एवं आचार्य नमो नारायण शुक्ला एवं गांव के संभ्रांत लोगों केद्वारा की गई। मंदिर परिसर का दृश्य भक्तिभाव, आस्था और दिव्यता से ओतप्रोत रहा। मां के जयकारों से गुंजायमान माहौल ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

लंकापति रावण का वध पुतले का हुआ दहन

प्रयागराज। श्री महंत बाबा हाथीराम पजावा रामलीला कमेटी प्रयागराज की ओर से विजयादशमी पर मीरापुर स्थित बरगद घाट पर रावण वध और पुतला दहन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शाम की आरती के बाद रामदल रात 9 बजे खुल्दाबाद से निकला। झंडा पताका के साथ 10 कलात्मक चौकियां शामिल थीं जिन पर ताड़का वध, अहिल्या उद्धार, कबंध उद्धार, रावण दरबार, सीता स्वयंवर, सीता हरण, बाली सुग्रीव युद्ध प्रसंग का मंचन चलता रहा। 10 बैंड बाजों के साथ चल रहे दल के आगे हनुमान, शंकर, गणेश की सवारी थी, पीछे भगवान श्रीराम भाई लक्ष्मण सहित हाथी पर चांदी के हौदे पर विराजमान थे। नवीनतम ऐरावत पर सीता सवार थीं। पूरे रास्ते दल को निहारने के लिए सड़क के दोनों तरफ लोगों की भीड़ लगी थी। आखिर में बरगद घाट पहुंचकर रावण वध का मंचन हुआ और रावण के पुतले का दहन किया गया।

जिले में डेंगू के 3 नए मरीज, अलर्ट जारी!

प्रयागराज। जिले में डेंगू के मरीजों की संख्या एक बार फिर बढ़ने लगी है, जिससे स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ गई है। 13 दिनों के बाद बुधवार को डेंगू के तीन नए मरीज़ मिले, जिन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इससे पहले, 17 सितंबर को डेंगू का एक मामला सामने आया था। जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. आनंद सिंह के अनुसार, जिले में डेंगू के कुल मामलों की संख्या बढ़कर 36 हो गई है। स्वास्थ्य विभाग ने चेतावनी दी है कि घरों में रखे कूलर, पुराने टायर और गमलों में डेंगू के लार्वा बड़ी संख्या में मिल रहे हैं।

लोगों को जागरूक करने के लिए डीबीसी के 58 कर्मचारी घर-घर जाकर डेंगू से बचाव के तरीके बता रहे हैं और लार्वा को नष्ट करने के लिए एंटी लार्वा का छिड़काव कर रहे हैं। विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे अपने घरों और आस-पास पानी जमा न होने दें और पूरी तरह सतर्क रहें।

चोरी के शक में हिस्ट्रीशीटर को लगाया करंट सच उगलवाने को यातनाएं, आरोपी फरार

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। यमुनापार के औद्योगिक क्षेत्र में एक युवक को चोरी के शक में जमकर पीटा गया। सच उगलवाने के लिए उसे करंट लगाया गया। घटना का वीडियो ने किसी ने बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। इस पर पुलिस ने वीडियो में यातनाएं देने वाले तीन युवकों को हिरासत में लिया है। पुलिस ने बताया कि जिसे करंट लगाया गया वह स्थानीय थाने का हिस्ट्रीशीटर है। कई मुकदमे दर्ज हैं। अभी घर से फरार है। उसकी तलाश की जा रही है।

डेज मेडिकल तिराहे के पास 29 सितंबर की मध्य रात पिपरांव गांव के रहने वाले लड्डू कोल को रोहित केसरवानी और विशंभरपुर निवासी राहुल प्रजापति समेत अन्य लोगों ने चोरी के शक में पकड़ लिया। उसे दुर्गा पूजा पंडाल ले गए। जहां लड्डू कोल को लोगों ने पीटा। फिर लोगों ने उसको बिजली का तार दिखाकर धमकाया, जब वह बोलने को तैयार न हुआ तो उसे करंट लगाया गया। वहां मौजूद किसी ने वीडियो बना लिया और वायरल कर दिया। इस पर औद्योगिक थाने की पुलिस जागी।

एसीपी करछना अरुण कुमार त्रिपाठी ने बताया कि यातनाएं देने के आरोप में तीन लोगों को हिरासत में ले लिया है। चोरी के शक में पकड़े गए युवक को पुलिस को सौंपना चाहिए था। मारना-पीटना और करंट लगाना अपराध है।

जनरेटर के डायनमो चोरी के शक में पकड़े गए युवक से मारपीट और करंट लगाने की खबर तेजी से वायरल हुई। इसमें बताया कि औद्योगिक क्षेत्र में ड्रोन के सहारे चोरी करते हुए युवक को पकड़ा गया। एसीपी करछना अरुण कुमार त्रिपाठी ने बयान जारी कर ड्रोन के सहारे चोरी को अफवाह बताया।

पुलिस मुठभेड़ में गोवध वांछित के पैर में लगी गोली, गिरफ्तार

प्रयागराज। पुलिस मुठभेड़ में गोवध वांछित के पैर में लगी गोली, गिरफ्तार - सोरांव के सरायलाल खातून के पास पुलिस से हुई मुठभेड़ - गोवध का एक आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकला प्रयागराज, वरिष्ठ संवाददाता सोरांव थाना क्षेत्र के सरायलाल खातून के समीप रिंग रोड के सर्विस लेन पर बुधवार देर रात पुलिस मुठभेड़ में गोवध का वांछित गिरफ्तार किया गया। पैर में गोली लगने से घायल बदमाश को पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया। गिरफ्तार तबरेज निवासी अरईश पर पहले से गोवध समेत कुल नौ आपराधिक मामले दर्ज हैं। हालांकि मुठभेड़ के दौरान उसका एक साथी अंधेरे का लाभ उठाकर भाग निकला। डीसीपी गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत ने बताया कि सोरांव पुलिस बुधवार की रात लगभग साढ़े बारह बजे सरायलाल खातून के रिंग रोड के पास वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक बाइक पर दो संदिग्ध युवक आते दिखे। पुलिस ने रुकने का इशारा किया, तो बदमाश पुलिस टीम पर फायरिंग कर भागने लगे। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में गोवध का वांछित तबरेज पैर में गोली लगने से घायल हो गया। जबकि, उसका साथी अंधेरे में पैदल भाग निकला। तबरेज के पास से एक अवैध तमंचा, एक कारतूस, एक खोखा व बाइक बरामद किया गया। उस पर पहले से सोरांव, होलागढ़ समेत अन्य थानों में मुकदमे दर्ज हैं।

गैंगरेप के मामलों में चोट अनिवार्य सबूत नहीं : कोर्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि सामूहिक दुष्कर्म की पीड़िता को आई शारीरिक चोटें अपराध स्थापित करने के लिए साक्ष्य के रूप में अनिवार्य नहीं हैं। कोर्ट ने कहा कि यह संभव है कि पीड़िता ने डर के कारण विरोध न किया हो, या शराब या नशीली दवा के प्रभाव में होने के कारण प्रतिरोध करने में असमर्थ रही हो। कोर्ट ने इस टिप्पणी के साथ आरोपी इरफान उर्फ गोलू की का दोष बरकरार रखा, जबकि प्रूफ की कमी के चलते अन्य तीन आरोपियों की सजा को रद्द कर दिया। यह मामला महोबा के चरखारी थाने में 13 जनवरी 2015 को दर्ज हुआ था, जिसमें 15 वर्षीय पीड़िता ने शराब पीने के लिए मजबूर किए जाने के बाद रातभर चार लोगों द्वारा सामूहिक दुष्कर्म का आरोप लगाया था।

सत्र न्यायाधीश ने 2 मार्च 2017 को चारों अभियुक्तों को 20 वर्ष कठोर कारावास की सजा सुनाई थी। हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का हवाला देते हुए कहा कि पीड़िता का बयान सुसंगत और विश्वसनीय है, और अकेले चोट का न होना यौन उत्पीड़न न होने का प्रमाण नहीं है।

दर्पण विसर्जन और सिंदूर खेला के बाद नम आंखों से मां दुर्गा की विदाई

प्रयागराज। शहर में एक दर्जन से अधिक पंडालों में चल रहे दुर्गा पूजा महोत्सव का गुरुवार को समापन हो गया। सुबह मां दुर्गा की प्रतिमाओं के सामने दर्पण विसर्जन हुआ। फिर सिंदूर खेला के बाद महिलाओं ने नम आंखों से मां को विदाई दी। अंदावा स्थित तालाब में प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। गुरुवार सुबह पंडालों में पुरोहितों ने मां दुर्गा की प्रतिमाओं के सामने दर्पण के रूप में बड़ा परात रखा। उसमें गंगाजल और पानी इस तरह भरा गया कि उसमें मां का चेहरा दिखाई दे। उसके बाद समाज के लोगों ने उसमें मां का स्वरूप देखा और मंत्रोच्चार के बीच दर्पण विसर्जन का विधान पूरा किया गया। प्रतिमाओं से प्राण तत्व निकलने के बाद सिंदूर खेला किया गया। महिलाओं ने एक-दूसरे को सिंदूर लगाया। फिर विदाई की बेला में सभी की आंखें नम हो गईं। शहर के कोने-कोने से पूजा समितियों के पदाधिकारी प्रतिमाओं को लेकर अंदावा पहुंचे। जहां गाजेबाजे के संग प्रतिमाओं को शाम तक विसर्जित किया जाता रहा।

टेंडर में हेराफेरी पर अधिकारी और ठेकेदार में कहासुनी, ऑडियो वायरल

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। टेंडर में हेराफेरी पर अधिकारी और ठेकेदार में कहासुनी, ऑडियो वायरल -कुम्भ के कामों के टेंडर में कथित हेराफेरी का मामला, जांच की बात पर बहस -एजेंसी संचालक के वकील और पीडीए सचिव के बीच फोन पर नोकझोंक प्रयागराज। प्रमुख संवाददाता कुम्भ के कामों के टेंडर में कथित रूप से हेराफेरी को लेकर एक एजेंसी के संचालक के वकील और प्रयागराज विकास प्राधिकरण के सचिव अजीत कुमार सिंह के बीच टेलीफोन पर हुई नोकझोंक का ऑडियो वायरल हुआ है। वायरल ऑडियो में टेंडरों में हुई हेराफेरी की जांच करने के सिलसिले में बातचीत हो रही है। इसमें जांच करने और न्याय नहीं मिलने पर धरना देने की बात कही जा रही है। जबकि अधिकारी गुस्से में कथित तौर पर धमकी दे रहे हैं। वायरल ऑडियो के बारे में पूछने पर पीडीए के सचिव ने बताया कि कई महीने पहले टेंडर के सिलसिले में उपेंद्र नारायण शुक्ला से बात हुई थी। उनकी किसी वकील से बात नहीं हुई। गुरुवार सुबह लगातार फोन आ रहा था, तब बात हुई। उसी समय काफी बातें हुई, लेकिन बातचीत का कुछ हिस्सा ही सामने आया है। सचिव ने कहा कि टेंडर में हेराफेरी या रेट कम करने की शिकायत पर एक एजेंसी को जांच दी गई है। जब तक रिपोर्ट नहीं मिलती तब तक कुछ नहीं कहा जा सकता। शिकायतकर्ता से भी पूरे मामले का हलफनामा मांगा गया है, जो वह नहीं दे रहे हैं।

प्रेमी ने युवती से एक लाख रुपये लेकर की जबरदस्ती, बाइक से बांधकर गांव में घसीटा

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। जनपद में एक युवक ने पहले प्रेमिका से व्यापार के नाम पर एक लाख रुपये लिए फिर प्रेमिका के साथ जबरदस्ती की। इसके बाद भी नहीं माना और आरोपी ने बाइक में दुपट्टे से हाथ बांधकर युवती को घसीटा। हालांकि पुलिस मारपीट का मामला बता रही है। मामले में युवती ने शिकायत दर्ज करवाई है। मामले में जांच चल रही है। मामले में मिली जानकारी के अनुसार मऊआइमा थानाक्षेत्र की एक 22 वर्षीय युवती का गांव के ही एक युवक से पिछले दो साल से प्रेम संबंध चल रहा है। युवक ने नया व्यापार शुरू करने के नाम उससे एक लाख रुपये मांगे। युवती ने प्रेमी के लिए एक लाख रुपये का इंतजाम कर दिया। इसके बाद युवती बुधवार रात एक लाख रुपये लेकर गांव के बाहर मिलने पहुंची।

आरोप है कि युवक एक लाख रुपये लेने के बाद अपने एक साथी के साथ बाइक पर युवती को बैठाकर सोरांव थाना क्षेत्र के नजरपुर गांव के समीप पहुंचा। जहां उसके साथ जबरदस्ती करने का प्रयास किया। युवती के विरोध करने पर मारपीट की और उसका हाथ दुपट्टा से बाइक से बांधकर घसीटने लगा। इससे युवती बुरी तरह घायल हो गई। युवती की चीख पुकार सुनकर आसपास के दर्जनों की संख्या में ग्रामीण लाठी डंडा लेकर पहुंचे।

बताया जा रहा है कि ग्रामीणों को आते देख दोनों युवक बाइक छोड़कर भाग निकले। सोरांव थाना प्रभारी केशव वर्मा ने बताया कि युवक और युवती एक ही गांव के निवासी हैं। युवती के बयान पर जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले में जांच की जा रही है। जांच की रिपोर्ट के आधार पर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

'सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त अभियान' के अंतर्गत विशेष कार्यक्रम का हुआ आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। गांधी जयंती के अवसर पर आज विकास भवन, प्रयागराज में 'सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त अभियान' के अंतर्गत विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी प्रयागराज, श्री मनीष कुमार वर्मा ने ग्राम पंचायतों से एकत्रित सिंगल यूज प्लास्टिक से भरी हुई गाड़ियों को प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट्स की ओर हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

अभियान के तहत, प्रारंभिक चरण में 11 विकास खण्डों की 486 ग्रामपंचायतों से कुल 4072 किलोग्राम सिंगल यूज्ड प्लास्टिक संकलित कर जनपद मुख्यालय विकास भवन पर वाहन के माध्यम से इकट्ठा किया गया। इसके अतिरिक्त, अवशेष 12 विकास खण्डों की 645 ग्रामपंचायतों से भी 4816 किलोग्राम सिंगल यूज्ड प्लास्टिक को एकत्रित कर प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट में सेग्रीग्रेट करने हेतु भेजा गया।

कुल मिलाकर, अभी तक जनपद की 1131 ग्रामपंचायतों से 8888 किलोग्राम सिंगल यूज्ड प्लास्टिक सफलतापूर्वक एकत्रित कर वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट को सौंपा गया है।

जिलाधिकारी प्रयागराज ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक न केवल पर्यावरण के लिए घातक है, बल्कि जल स्रोतों, स्वच्छता तथा मानव एवं पशुधन के स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा उत्पन्न करता है। उन्होंने बताया कि माइक्रोप्लास्टिक भोजन के माध्यम से शरीर में प्रवेश कर स्वास्थ्य को हानि पहुँचाते हैं, साथ ही पशुधन पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं। अतः सभी नागरिकों का दायित्व है कि वे इसके उपयोग से बचें और प्लास्टिक मुक्त समाज की दिशा में योगदान दें।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने विकास भवन में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई तथा आह्वान किया कि इस शपथ को केवल औपचारिकता न मानकर जन-जन तक पहुँचाया जाए। तत्पश्चात उन्होंने स्वयं झाड़ू लगाकर महात्मा गांधी जी द्वारा दिए गए स्वच्छता के संदेश तथा भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया।

कार्यक्रम के अंतर्गत 'एक पेड़ माँ के नाम' पहल को भी प्रोत्साहित किया गया, जिसके अंतर्गत जिलाधिकारी द्वारा वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी, परियोजना निदेशक, अधिशासी अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, स्वच्छ भारत मिशन के समन्वयकगण, पंचायती राज विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का सफल संयोजन जिला पंचायत राज अधिकारी प्रयागराज, डरविशंकर द्विवेदी के तत्वावधान में किया गया। उन्होंने सभी उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए आश्वस्त किया कि जिलाधिकारी महोदय द्वारा दिए गए निर्देशों को धरातल पर पूर्ण निष्ठा से क्रियान्वित किया जाएगा।

यह कार्यक्रम 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर, 2025 तक चलाए गए 'स्वच्छता ही सेवा - स्वच्छोत्सव' अभियान के समापन अवसर पर आयोजित किया गया, जिसमें जनपद स्तर पर व्यापक जनसहभागिता सुनिश्चित की गई।

पुलिस उपायुक्त नगर द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं भारतरत्न लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती के शुभ अवसर पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर समस्त अधिकारी/कर्मचारीगणों को उनके आदर्शों का अनुसरण करने हेतु प्रेरित किया गया। इस दौरान सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली मौजूद रहे।

पुलिस उपायुक्त यमुनानगर द्वारा माँ दुर्गा प्रतिमा विसर्जन एवं दशहरा के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था के दृष्टिगत जोन यमुनानगर के विभिन्न थानों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया तथा संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

थाना बारा, मिशन शक्ति व एंटी रोमियो टीम द्वारा 'मिशन शक्ति 5.0' अभियान तथा ऑपरेशन मुस्कान के तहत गुमशुदा बच्ची को उसके परिजनों के सुपुर्द किया

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट प्रयागराज महोदय व अपर पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट प्रयागराज महोदय के निर्देशन तथा पुलिस उपायुक्त यमुनानगर के कुशल पर्यवेक्षण व सहायक पुलिस आयुक्त बारा के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु चलाये जा रहे अभियान 'मिशन शक्ति 5.0' के तहत थाना स्थानीय पर गठित मिशन शक्ति टीम व एंटी रोमियो टीम को क्षेत्र में भ्रमण के दौरान अकेले घुमते हुए एक 10 वर्ष की बच्ची मिली जो अपनी चाची के साथ जसरा में मेला घूमने आयी थी, मेले मे अपनी चाची से बिछड़कर चिल्ला मोड़ थाना क्षेत्र बारा आ गयी थी । मिशन शक्ति टीम व एंटी रोमियो टीम द्वारा बच्ची को थाना स्थानीय पर लाया गया एवं बच्ची से स्नेहपूर्वक बात-चीत करते हुए उसके माता-पिता का नाम, मोबाइल नम्बर के संबंध में जानकारी की गयी तथा थाना स्थानीय पर बुलाकर बच्ची को उसकी माँ के सुपुर्द कर दिया गया । बच्ची के मिल जाने पर परिजनों द्वारा पुलिस की भूरि-भूरि प्रशंसा की गयी ।

मिशन शक्ति' जागरूकता अभियान के अन्तर्गत महिला सुरक्षा की दी जानकारी

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। मिशन शक्ति' जागरूकता अभियान के अन्तर्गत नगर जोन कमिश्नरेट प्रयागराज के समस्त थाना क्षेत्रों में महिला बीट अधिकारी/एण्टी रोमियों टीम/महिला सुरक्षा हेतु विशेष दलों द्वारा महिलाओं/बालिकाओं को उनके अधिकारों, विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरों 1090, 112, 181, 1930 व साइबर अपराध आदि के सम्बन्ध में जानकारी देकर जागरुक किया गया।

उ0प्र0 शासन की मंशा के अनुरुप 'मिशन शक्ति 5.0' अभियान के क्रम में श्रीमान पुलिस आयुक्त व श्रीमान अपर पुलिस आयुक्त महोदय के निर्देशन में व पुलिस उपायुक्त नगर व अपर पुलिस उपायुक्त नगर के कुशल पर्यवेक्षण में नगर जोन के समस्त थानों की महिला बीट अधिकारियों/एण्टी रोमियों टीम/महिला सुरक्षा हेतु विशेष दल द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्र अन्तर्गत गांवों, कस्बों व अन्य सार्वजनिक स्थानों पर भ्रमण/चौपाल कर महिलाओं/बालिकाओं की समस्याओं से अवगत होकर उनकी सुरक्षा आदि के संबंध में वार्ता की गयी तथा उन्हें पम्पलेट वितरित

किये गये। विभिन्न लाभप्रद योजनाओं/हेल्पलाइन नम्बर जैसे-(वूमेन पावर लाइन 1090), (महिला हेल्प लाइन 181), (एम्बुलेंस सेवा 108), (मुख्यमन्त्री हेल्पलाइन 1076), (पुलिस आपातकालीन सेवा 112), (चाइल्ड हेल्पलाइन 1098), (स्वास्थ्य सेवा 102), (साइबर हेल्प लाइन नं-1930) आदि नम्बरों के सम्बंध में जानकारी प्रदान की गयी। साथ ही नगर जोन के समस्त थानों की एण्टी रोमियों टीमों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्र अन्तर्गत बस अड्डा/सार्वजनिक स्थानों/प्रमुख चौराहों/कस्बों/प्रमुख बाजारों/मन्दिर/शिवालयों आदि के आस-पास गश्त करते हुए संघन चेकिंग की जा रही है। इस अवसर पर बिना कारण घूमने वाले शोहदों की चेकिंग की गयी तथा उन्हें सख्त हिदायत दी गयी।

पुलिस प्रशासन द्वारा रोके जाने के बावजूद भी दबंगों ने सरकारी खड़ंजे/नाली/सीवर लाइन पर रातों रात गेट लगाकर सीआरपीएफ इंस्पेक्टर के पैतृक घर के रास्ते को किया पूरी तरह से बंद

मंत्र भारत संवाददाता

फाफामऊ। सोरांव तहसील क्षेत्र के फाफामऊ अंतर्गत ग्राम मातादीन का पूरा में दबंगों द्वारा सरकारी खड़ंजा/नाली/सीवर लाइन मार्ग पर जबरन गेट लगाकर रास्ता बंद किए जाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। पीड़ित सुनील पटेल, जो सीआरपीएफ दिल्ली मुख्यालय में स्टेनो निरीक्षक पद पर तैनात हैं, ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर पूरे प्रकरण की लिखित शिकायत की थी कि उनके मना करने के बावजूद उनकी अनुपस्थिति में दबंगों ने उनके पैतृकघर के एकमात्र सरकारी रास्ते पर गेट लगाकर पूरी तरह बंद कर दिया है। जिलाधिकारी के निर्देश पर उप जिलाधिकारी (सोरांव) ने नायब तहसीलदार मध्यवर्ती धनंजय यादव को राजस्व टीम के साथ मौके पर भेजा। जांच में पाया गया कि विपक्षीगणों ने जबरन मुख्य मार्ग पर अवैध रूप से गेट लगाकर रास्ता बंद कर दिया है। इस पर नायब तहसीलदार ने तत्काल गेट हटाने के निर्देश दिए और फाफामऊ पुलिस को कार्रवाई करने को कहा।

स्थलीय रिपोर्ट में यह स्पष्ट हो गया कि यह रास्ता सरकारी है और सीआरपीएफ निरीक्षक के परिवार की आवाजाही इसी रास्ते से होती रही है। बावजूद इसके दबंगई दिखाते हुए विपक्षीगणों ने जबरन कब्जे की नीयत से गेट खड़ा कर दिया। प्रशासनिक टीम और पुलिस के निर्देश के बाद भी दबंगों का मनोबल और बढ़ गया है।

पीड़ित का कहना है कि उनके पैतृक घर के बंद किए गए एकमात्र रास्ते पर लगे गेट को तत्काल हटवाने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस से शीघ्र ठोस कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने उच्चाधिकारियों से मांग की है कि इस मामले में तत्काल कठोर कार्रवाई हो, ताकि दोबारा कोई इस तरह का दुस्साहस न कर सके।

ग्रामवासियों का कहना है कि यह सरकारी रास्ता सार्वजानिक है और आवागमन के लिए एकमात्र सरकारी रास्ता है, जिस पर अवैध गेट लगाना खुलेआम सरकारी जमीन पर कब्जे की कोशिश है।

मिशन शक्ति 5.0 - नारी शक्ति का नया आयाम -उत्तर प्रदेश में महिला सुरक्षा का नया अध्याय

गंगानगर जोन कमिश्नरेट प्रयागराज के समस्त थानों की मिशन शक्ति टीम द्वारा चलाया गया अभियान

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उ0प्र0 सरकार द्वारा संचालित महत्वाकांक्षी योजना 'मिशन शक्ति 5.0' के तहत श्रीमान् पुलिस आयुक्त महोदय व अपर पुलिस आयुक्त के निर्देशन में व श्रीमान् पुलिस उपायुक्त गंगानगर व अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर के कुशल पर्यवेक्षण में आज दिनांक-02.10.2025 को गंगानगर जोन के समस्त थानों की महिला पुलिसकर्मियों/मिशन शक्ति टीमों ने अपने-अपने थाना क्षेत्रों के प्रमुख बाजारों, कस्बों, शिक्षण संस्थानों, धार्मिक स्थलों एवं अन्य भीड़-भाड़ वाले सार्वजनिक स्थलों पर जाकर महिलाओं/बालिकाओं को उनके अधिकारों एवं सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में बताकर जागरुक किया गया । टीम द्वारा बालिकाओं को साइबर सुरक्षा के सम्बंध में जानकारी देकर जागरुक किया गया एवं सोशल मीडिया को सावधानी पूर्वक प्रयोग करने के लिये भी सुझाव दिया गया । किसी भी शोहदों द्वारा परेशान करने पर तत्काल डायल-112 अथवा मिशन शक्ति टीम से शिकायत करने करने को बताया गया ।

मिशन शक्ति टीम द्वारा महिला सुरक्षा व महिला सशक्तिकरण के सम्बन्ध में बालिकाओं/छात्राओं एवं महिलाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नम्बर जैसे पुलिस आपात सेवा-112, वूमेन पावरलाइन-1090, महिला हेल्पलाइन-181, सीएम हेल्पलाइन-1076, साइबर हेल्पलाइन-1930 व मिशन शक्ति केन्द्र आदि के बारें में जानकारी देकर जागरुक किया गया तथा पम्पलेट वितरित किया गया ।

पुलिस उपायुक्त गंगानगर व सहायक पुलिस आयुक्त सोरांव द्वारा दुर्गा प्रतिमा विसर्जन व दशहरा के दृष्टिगत शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु थाना नवाबगंज क्षेत्रांतर्गत विभिन्न घाटों एवं मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया तथा संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

ग्राम पंचायत सचिवालयों में श्रद्धा व उत्साह के साथ मनाई गई महात्मागांधी-लाल बहादुरशास्त्री की जयंती

थरवई। ग्राम पंचायत सचिवालय जगदीशपुर पूरे चंदा एवं भिंदिऊरा में गुरुवार को महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती बड़े ही उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाई गई। दोनों महान विभूतियों के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की गई और उनके आदर्शों को नमन किया गया।इस मौके पर उपस्थित जनों को सत्य, अहिंसा और स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। साथ ही गांधीजी और शास्त्रीजी के जीवन दर्शन, विचारधारा और देश के प्रति उनके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। वक्ताओं ने कहा कि गांधीजी ने सत्य और अहिंसा को सबसे बड़ा हथियार बताया था तथा सभी धर्मों और भाषाओं को समान सम्मान देने पर बल दिया। जयंती कार्यक्रम में ग्राम पंचायत अधिकारी रिचा सिंह यादव (जगदीशपुर पूरे चंदा), सुनीता सिंह (भिंदिऊरा), ग्राम प्रधान, पंचायत सहायक, रोजगार सेवक समेत बड़ी संख्या में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि और ग्रामीण मौजूद रहे। पूरे कार्यक्रम का माहौल श्रद्धा, उत्साह और राष्ट्रप्रेम से सराबोर रहा।

इस्माइलगंज का ऐतिहासिक दशहरा मेला संपन्न, गूंजे जय श्रीराम के नारे

थरवई। क्षेत्र के इस्माइलगंज बाजार स्थित श्रीरामलीला कमेटी के तत्वावधान में आयोजित ऐतिहासिक दशहरा मेला गुरुवार देर रात भगवान श्रीराम द्वारा रावण वध की लीला के साथ संपन्न हुआ। पूरे मेला प्रांगण में जय श्रीराम के उद्घोष गूंजते रहे। मेला परिसर में नन्हे-मुन्नों के लिए झूले, आकर्षक रंग-बिरंगी लाइटें और चाट-पकौड़ी समेत विभिन्न व्यंजनों की दुकानें लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी रहीं। क्षेत्रीय लोगों ने देर रात तक मेले में जमकर खरीदारी की और उत्साह का माहौल बना रहा।कार्यक्रम में मेला कमेटी के हाईकमान राकेश मिश्रा, अध्यक्ष गंगा प्रसाद केसरवानी, प्रबंधक आशीष केसरवानी, भास्कर मिश्रा, बृजेशपति त्रिपाठी के अलावा प्रभारी निरीक्षक थरवई संतोष कुमार पांडेय पुलिस टीम के साथ मौजूद रहे

पुलिस उपायुक्त गंगानगर द्वारा दुर्गा प्रतिमा विसर्जन व दशहरा के दृष्टिगत शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु गंगानगर जोन क्षेत्रान्तर्गत पैदल गस्त किया गया तथा दुर्गा प्रतिमा विसर्जन स्थल का निरीक्षण कर सुरक्षा प्रबन्धों की समीक्षा की गयी तथा सर्व- सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। इस दौरान सहायक पुलिस आयुक्त थरवई मौजूद रहे।

सम्पादकीय

'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' की अधूरी कहानी, बेटियों के लिए योजना है, लेकिन जमीनी सच क्यों रह गया अधूरा?

समाज में महिला और पुरुषों की आबादी में संतुलन बेहद जरूरी है। देश में बेटियों की कम हो रही संख्या को समान अनुपात में लाने के लिए सरकार की ओर से हर स्तर पर प्रयास किए जाते रहे हैं। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना भी इन्हीं प्रयासों का एक हिस्सा है। राष्ट्रीय स्तर पर शुरू की गई इस योजना का मुख्य उद्देश्य गिरते लिंगानुपात को रोकना, कन्या भ्रूण हत्या पर रोक लगाना तथा बालिकाओं की शिक्षा और शारीरिक एवं मानसिक विकास से जुड़े कार्यों को गति देना है। बेटियों के लिए यह योजना निश्चित तौर पर बदलाव की वाहक बन सकती है, लेकिन सवाल है कि क्या यह परिणामोन्मुख तरीके से आगे बढ़ पा रही है?

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की हालिया रपट के तथ्यों से तो ऐसा नजर नहीं आ रहा है। रपट में कहा गया है कि इस योजना के तहत पिछले ग्यारह वर्षों में स्वीकृत राशि में से करीब एक तिहाई राशि का इस्तेमाल नहीं हो पाया है। वर्ष 2024-25 (31 दिसंबर तक) में तो सबसे कम करीब तेरह फीसद राशि ही खर्च हो पाई। ऐसे में इस योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और इसकी सफलता को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है। यह सच है कि नई तकनीक अपने साथ चुनौतियां भी लेकर आती हैं। भ्रूण परीक्षण जैसे गैरकानूनी और अनैतिक कृत्य भी तकनीक के दुरुपयोग का ही परिणाम है। देश में लिंगानुपात गड़बड़ाने का एक कारण भ्रूण परीक्षण भी है। हालांकि इस पर कानूनन प्रतिबंध है, लेकिन चोरी-छिपे भ्रूण परीक्षण कराने के मामले अक्सर सामने आते रहते हैं। हमारे समाज की रूढ़िवादी मानसिकता भी इसके लिए जिम्मेदार है। बेटे को प्राथमिकता और बेटियों को परिवार पर बोझ समझने की प्रवृत्ति आज भी मौजूद है।

'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना में समाज की इस सोच को बदलने का आह्वान भी सम्मिलित है। इसके क्रियान्वयन में जो लापरवाही देखी जा रही है, वह बेहद निराशाजनक है। जब इस योजना के तहत स्वीकृत धनराशि का एक बड़ा हिस्सा खर्च ही नहीं किया जा रहा है, तो इसका लाभ पात्र बालिकाओं तक कैसे पहुंचेगा? जिस उद्देश्य से यह योजना शुरू की गई थी, वह लक्ष्य कैसे हासिल हो पाएगा? इस पर गंभीरता से विचार करना होगा।

रपट में कहा गया है कि पिछले ग्यारह वर्षों में इस योजना के तहत स्वीकृत धनराशि का सौ फीसद इस्तेमाल कभी नहीं हो पाया। यानी संबंधित अधिकारी यह तय ही नहीं कर पाते हैं कि इस राशि को कहां और कैसे खर्च किया जाए। जबकि योजना के मुताबिक, इस राशि का इस्तेमाल लड़कियों को शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने, उनमें खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने, आत्मरक्षा का प्रशिक्षण, पोषण कार्यक्रम, स्वास्थ्य सुविधाएं और शौचालय के निर्माण जैसे कार्यों पर किया जाता है। जिला स्तर पर इस योजना को लागू करने के लिए धनराशि राज्य सरकार के माध्यम से प्रदान की जाती है।

रपट से पता चलता है कि कई जगह पोस्टर और नारों जैसे कार्यों पर ही अधिक राशि खर्च की गई है, जबकि बालिका शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य सुविधाओं पर वास्तविक खर्च सीमित रहा। इससे साफ है कि इस योजना को जमीन पर उतारने में बहुस्तरीय लापरवाही बरती जा रही है। ऐसे में संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करनी होगी, तभी यह योजना सही मायने में आगे बढ़ पाएगी।

गांधी और गांधी विचार को कुचलने की कुचेष्टाएं कब तक?

लंदन के प्रसिद्ध टैविस्टॉक स्क्वायर में महात्मा गांधी की 57 साल पुरानी कांस्य की प्रतिमा पर हुआ हमला केवल एक मूर्ति को क्षतिग्रस्त करने की घटना भर नहीं है, बल्कि यह गांधी के अस्तित्व, उनके विचार और भारत की आत्मा पर आघात है। गांधी प्रतिमा के साथ छेड़छाड़ करते हुए काले रंग से लिखा है, 'गांधी- मोदी, हिंदुस्तानी टेररिस्ट...।' वहां एक तिरंगे का भी अपमान किया गया है और उसपर भी 'टेररिस्ट' लिखा हुआ है। जिस समय यह हमला हुआ, वह भी बेहद प्रतीकात्मक है, अंतरराष्ट्रीय गांधी जयंती यानी अहिंसा दिवस से महज तीन दिन पहले। यह समय का ऐसा चयन है जो यह दर्शाता है कि अहिंसा के विचार और गांधी के व्यक्तित्व को मिटाने की एक सुनियोजित विकृत मानसिकता एवं साजिश है। गांधी की प्रतिमा महज धातु का ढांचा नहीं, बल्कि उन मूल्यों का जीवंत प्रतीक है जिन्होंने न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया को नई दृष्टि दी, नई दिशा दी एवं शांतिपूर्ण अहिंसक जीवनशैली दी है। इस पर आघात करना इस बात का प्रमाण है कि हिंसा की प्रवृत्तियां, आतंक की मानसिकता एवं नफरत-द्वेष की विध्वंक शक्तियां अब भी गांधी के विचारों से डरती हैं और उसे क्षत-विक्षत एवं ध्वस्त करने के षडयंत्र रचती रहती है, पर महात्मा गांधी भारत के अकेले ऐसे महापुरुष हैं जिन्हें कोई गोली या गाली नहीं मार सकती। गांधी की राजनीति व धर्म का आधार सत्ता नहीं, सेवा था, वसुधैव कुटुम्बकम् था। जनता को भयमुक्त व वास्तविक आजादी दिलाना उनका लक्ष्य था। वे सम्पूर्ण मानवता की अमर धरोहर हैं। उन्होंने दुनिया को अहिंसा का सूत्र देकर शांतिपूर्ण विश्व-संरचना की। दलितों के उद्धार और उनकी प्रतिष्ठा के लिए उन्होंने अपना पूरा जीवन लगा दिया था। उनके जीवन की विशेषता कथनी और करनी में अंतर नहीं होना था।

महात्मा गांधी की प्रतिमा पर अज्ञात लोगों ने जो हमला किया और आपत्तिजनक नारे लिखे। भारतीय उच्चायोग ने इसे अहिंसा की विरासत पर हमला बताया।

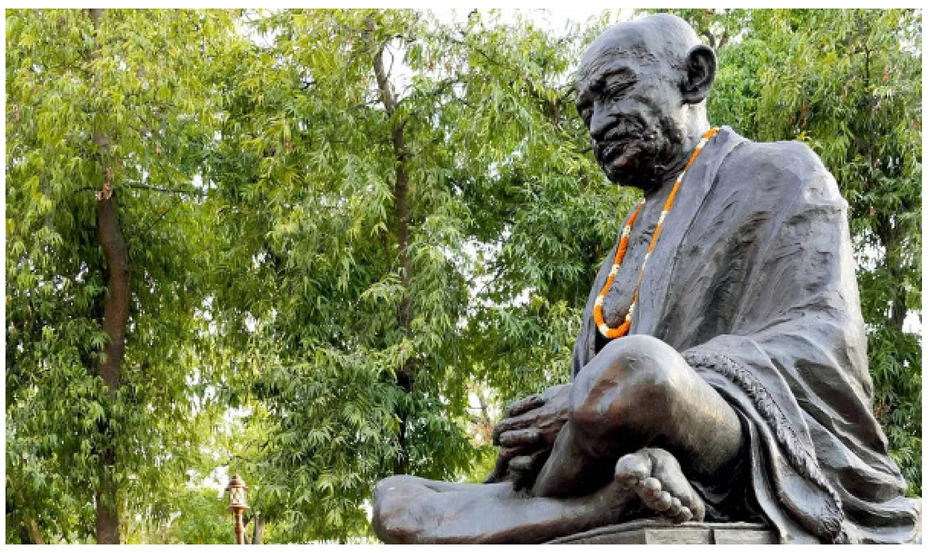

मेट्रोपॉलिटन पुलिस जांच में जुटी है। ब्रिटेन की उच्चायुक्त लिंडी कैमरन ने घटना को दुखद बताते हुए कहा कि गांधी की शिक्षाएं हमें सदा एकजुट करती रहेंगी। गांधी के व्यक्तित्व एवं विचारों को आहत करने की यह घटना केवल ब्रिटेन के अस्तित्व एवं अस्मिता तक सीमित नहीं रहती, बल्कि भारत की गरिमा और उसकी सांस्कृतिक उपस्थिति को भी चुनौती देती है। जब किसी राष्ट्र के सार्वभौमिक प्रतीक पर हमला होता है, तो वह उस राष्ट्र के स्वाभिमान और उसके विचारों पर हमला माना जाता है। गांधी केवल भारत के नायक नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के नैतिक मार्गदर्शक हैं। उनका स्मारक क्षतिग्रस्त करना मानवता की उस चेतना को धूमिल करने का प्रयास है जो संवाद, सहिष्णुता, अहिंसा और शांति पर आधारित है। ऐसे समय में जब दुनिया युद्ध, आतंक और कट्टरता से त्रस्त है, गांधी का विचार और भी प्रासंगिक हो जाता है। ऐसे विचार को कुचलने की चेष्टा न केवल भारत के लिए बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक गंभीर चुनौती है। समीक्षात्मक दृष्टि से देखा जाए तो यह घटना हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि आखिर क्यों अहिंसा जैसे सार्वभौमिक मूल्य आज के दौर में असहनीय प्रतीत होते हैं? क्यों कुछ समूह इतिहास को मिटाने और संवाद की जगह हिंसा को स्थापित करने पर आमादा हैं? यह केवल अतीत की स्मृति पर हमला नहीं है, बल्कि भविष्य की दिशा पर भी सवाल खड़ा करता है। मूर्तियां टूटीं तो उन्हें ठीक किया जा सकता है, लेकिन यदि विचारों को खंडित करने का यह सिलसिला जारी रहा तो यह मानवता की आत्मा के लिए घातक सिद्ध होगा।

समय-समय पर शरारती एवं असामाजिक तत्व देश एवं दुनिया में भारत की महान् विभूतियों- गांधी-मोदी के दर्शन व उनकी कार्य-पद्धतियों पर कीचड़ उछालते रहे हैं और उन्हें गालियां देकर गौरवान्वित होते रहे हैं। ताजा गांधी प्रतिमा को तोड़ने की घटना किसी साधारण शरारत या स्थानीय असंतोष का परिणाम नहीं है, बल्कि यह उस गहरी हिंसक, आतंकी और विकृत मानसिकता का प्रतीक है, जो दुनिया में अहिंसा की आवाज़ को दबाना चाहती है। यह घटना केवल एक प्रतिमा को खंडित करने की नहीं, बल्कि महात्मा गांधी के विचारों पर आहत करने की साजिश है। गांधी महज एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक दर्शन हैं। उनके सत्य और अहिंसा के सिद्धांत विश्व राजनीति, समाज और मानवता के लिए अब भी सबसे बड़ी प्रेरणा बने हुए हैं। इसीलिए हिंसक मानसिकताएं बार-बार इन मूल्यों को मूक बनाने या कुचलने का प्रयास करती हैं। गांधी प्रतिमा पर हमला वस्तुतः उसी मानसिकता की पुनरावृत्ति है, जिसने उनकी हत्या की थी। आज यह मानसिकता कभी धार्मिक उग्रवाद, कभी नस्लीय भेदभाव, कभी आतंकवाद और कभी आर्थिक साम्राज्यवाद का रूप धारण करके सामने आती है। यह घटना भारत ही नहीं, पूरी दुनिया के लिए गंभीर चेतावनी है कि यदि अहिंसा और सहअस्तित्व की आवाज़ को चुप करा दिया गया, तो मानव सभ्यता हिंसा, आतंक और विनाश के अंधकार में जा सकती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते वर्षों में जिस तरह शांति, वैश्विक सहयोग और अहिंसक संवाद की परंपरा को विश्व मंच पर प्रतिष्ठित करने का प्रयास किया है, वह गांधी दर्शन की ही आधुनिक अभिव्यक्ति है। अंतरराष्ट्रीय संघर्षों, जलवायु संकटों, आतंकवादी क्रुरताओं और युद्ध की विभीषिकाओं से जूझती दुनिया में भारत की यह भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। ऐसे में गांधी प्रतिमा पर हमला, दरअसल इस शांति अभियान को ठेस पहुँचाने का संगठित प्रयास है। यह केवल भारत को नहीं, बल्कि उन सभी देशों और समुदायों को चुनौती है, जो अहिंसा को सभ्यता का मूल मंत्र मानते हैं। आज यह जरूरी है कि हम इस हिंसक और आतंकवादी मानसिकता को करारा जवाब दें। यह जवाब केवल प्रतिवाद या आक्रोश से नहीं, बल्कि गांधी के विचारों को और अधिक दृढ़ता से जीकर और फैलाकर देना होगा। जब-जब गांधी प्रतिमा पर चोट की गई है, तब-तब गांधी और बड़े होकर खड़े हुए हैं। कभी-कभी प्रशंसा नहीं ऐसी गालियां गांधी को ज्यादा पूजनीय बनाती रही हैं। जिस प्रकार गांधी ने कहा था-'आप मुझे मार सकते हैं, मेरे शरीर को नष्ट कर सकते हैं, पर मेरे विचारों को समाप्त नहीं कर सकते'-यह सत्य आज भी उतना ही प्रासंगिक है। दरअसल, अहिंसा को कुचलने की हर कोशिश अहिंसा को और अधिक शक्तिशाली बना देती है। यह हमला गांधी की अमरता का प्रमाण है। हमें इस अवसर को केवल निंदा तक सीमित न रखकर, गांधी के सत्य, प्रेम और सहिष्णुता के संदेश को और व्यापक स्तर पर प्रसारित करना चाहिए। तभी आतंकवादी मानसिकता को वास्तविक और स्थायी जवाब मिलेगा।

गांधी को कितने सालों से कटघरे में खड़ा किया जाता रहा है। जीते जी और मरने के बाद गांधी ने कम गालियां नहीं खाईं। गोडसे ने गोली से उनके शरीर को मारा पर आज तो उनके विचारों को बार-बार मारा जा रहा है। महात्मा के शिष्यों ने, बापू के बेटों ने, संत के अनुयायियों ने और गांधी की पार्टी वालों ने उनको बार-बार बेचा है, उनसे कमाया है, उनके नाम से वोट मांगे हैं, सत्ता प्राप्त की है, सुबह-शाम धोखा दिया है और उनकी चादर से अपने दाग छिपाये हैं। लेकिन बहुत हो गया, अब यह आवश्यक है कि इस घटना का विरोध केवल भावनात्मक या औपचारिक स्तर पर न होकर ठोस, नैतिक और प्रभावी स्वरूप में हो। आज गांधी को खोजने की जरूरत मूर्तियों में नहीं, बल्कि अपने जीवन और आचरण में है। यही इस घटना से निकला सबसे बड़ा संदेश है कि अहिंसा की रक्षा केवल स्मारकों से नहीं बल्कि व्यवहार से होगी। गांधी की प्रतिमा का क्षरण क्षणिक है, किंतु उनके विचारों की हत्या यदि हम होने देंगे तो यह सम्पूर्ण मानवता की हार होगी। लंदन में गांधीजी की इस प्रतिमा का अनावरण 1968 में इंडिया लीग के सहयोग से हुआ था। यूके में गांधी जयंती के मौके पर यह जगह लंबे समय से मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा है। हर साल 2 अक्टूबर को यहां फूलों से श्रद्धांजलि दी जाती है और गांधीजी के प्रिय भजन बजते हैं। इस दिन को अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में भी मनाया जाता है, जिसे संयुक्त राष्ट्र ने मान्यता दे रखी है। इसके चबूतरे पर लिखा है- 'महात्मा गांधी, 1869-1948'। उनका लंदन से ऐतिहासिक संबंध रहा है, जहां उन्होंने यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन में कानून की पढ़ाई की थी।

शक्कर के डिब्बे से रिश्तों का सच, क्यों परवाह ही है जीवन की सबसे बड़ी ताकत?

बुजुर्ग महिला ने अपने पति को शक्कर का डिब्बा खोलकर देने को कहा जिसे बुजुर्ग ने खोलकर दिया। पास बैठे युवक ने भीतर जाकर महिला से पूछा कि स्वयं खोल सकने में समर्थ होने के बावजूद डिब्बा पति से क्यों खुलवाया। महिला ने समझाया कि इसी को परस्पर निर्भरता कहते हैं। इसी निर्भरता और परवाह के भाव से उसके हृदय रोगी पति में यह सोच जागती है कि वे बहुत ताकतवर और महत्त्वपूर्ण हैं। इससे अपने बीमार पति के साथ रिश्ते सुधरते हैं और प्रेम बढ़ता है। यह निर्भरता और परवाह की ताकत है।

एक या डेढ़ दशक पहले की सामाजिक व्यवस्था में परिवारजन और अन्य व्यक्ति एक-दूसरे पर निर्भर होते थे। आपसी रिश्तों में गर्माहट दिखती थी, क्योंकि परस्पर सहयोग और एक-दूसरे की परवाह थी। मगर सहयोग और परवाह करने को अब कमजोरी माना जाने लगा है। इस परवाह में स्नेह छिपा होता था, जुड़ाव बढ़ता था और अहंकार नहीं होता था। अब हर सुविधा के लिए पैसा तैयार है। पैसे से उपलब्ध होने वाले संसाधनों ने आपसी प्रेम को कम कर दिया है।

व्यक्ति को लगता है कि पैसा फेंककर कुछ भी मिल सकता है। इसी सोच के चलते आज का युवा येन केन प्रकारेण सिर्फ धन कमाने में व्यस्त है। यहां यह सोचने योग्य बात है कि क्या पैसे से सब कुछ प्राप्त किया जा सकता है?

रिश्तों की संवेदना और उसमें बसने वाला प्रेम अब ढीला पड़ चुका है। माता-पिता की सेवा हो या नवजात शिशु का पालन पोषण, घर पर भोजन बनाना हो या छोटे-मोटे घरेलू कार्य- इन्हें करने के लिए पैसे देकर सहायक रख लेना शगल है। हर चीज पैसे से खरीदने की प्रवृत्ति के चलते व्यक्ति के अवचेतन मस्तिष्क में आपसी स्नेह भाव में कमी और रिश्तों से जुड़ी भावनाओं में खटास आ रही है। वर्तमान में व्यक्ति पैसा खर्च करने के लिए तो तैयार है, लेकिन समय देने में उसे आपत्ति है।

यह सोचने की बात है कि कितने फीसद माता-पिता अपने बच्चों को पढ़ा रहे हैं और समय दे रहे हैं। वे पैसा देकर ट्यूशन पढ़ाने वाले शिक्षक रखते हैं, लेकिन बच्चों को समय नहीं दे पाते। माता-पिता की सेवा में भी कमोबेश यही हालत है।

आपसी परवाह के कारण पहले मनुष्य एक-दूसरे के प्रति कृतज्ञता का भाव रखता था। अब कृतज्ञता की अभिव्यक्ति करने के लिए भी कीमत चुकाई जा रही है। माता पिता के प्रति कृतज्ञता दिखाने के लिए सेवकों का हुजूम है। बच्चों को विशेष पढ़ाई कराने के लिए ट्यूशन पढ़ाने वालों या प्रशिक्षकों की भीड़ है। मित्रों के लिए कृतज्ञता दिखाने के लिए उपहारों की बाढ़ है। पर इन सबके बीच एक चीज छूट गई है और वह है आपसी प्रेम, सद्भाव और रिश्तों में गहराई।

इसी पैसे खर्च करने की प्रवृत्ति के कारण रिश्ते बहुत जल्दी दम तोड़ने लगे हैं। आज के दौर में आपको दस वर्ष पुराने मित्र ढूंढ़ने पर भी नहीं मिलेंगे। रिश्ते बनने का अब सिर्फ एक ही कारण है और वह है स्वार्थ। स्वार्थ न रहा तो रिश्ता खत्म होने में देर नहीं लगाई जा रही, क्योंकि अब सहयोग और परवाह तो है ही नहीं। हर व्यक्ति स्वच्छंद है। रिश्तों की ऊष्मा को बचाने के लिए 'पैसों' की जगह 'परस्पर स्नेह' को प्राथमिकता देना ही उत्तम जीवन का आधार होना चाहिए।

जीवन दूसरों की परवाह करने और संबंधों पर टिका है। पेशा चाहे कोई भी हो, व्यक्ति की असली ताकत है प्रेमपूर्ण संबंध बनाना। संबंध अच्छे तभी बन सकते हैं, जब समानुभूति का भाव हो। समानुभूति का अर्थ है खुद को सामने वाले व्यक्ति की परिस्थिति में डालकर देखना। ऐसा करते ही हमारा नजरिया बदल जाता है और हमारे संबंध लंबे समय तक टिके रहते हैं। संबंध सिर्फ औपचारिक नहीं होते। संबंधों को प्रेम से, परवाह करने की प्रवृत्ति से और सामने वाले के दृष्टिकोण को समझने की शक्ति से सींचना पड़ता है।

वर्तमान समय में संबंधों का निर्माण करने, उन्हें बनाए रखने और अहंकार को त्यागने वाले ही सफल हैं। अनेक शोध अध्ययनों से पता चला है कि नए कर्मचारी के चयन में चौरासी फीसद नियोक्ता, संबंधों का निर्माण करने और कार्मिकों की परवाह करने वाले व्यावहारिक कर्मचारी को सबसे अच्छा मानते हैं। इसका अभिप्राय है कि ज्यादातर नियोक्ताओं के लिए कार्मिक का व्यवहार उसकी शिक्षा और योग्यता से ज्यादा महत्त्व रखता है।

चिकित्सकों में मानवीय व्यवहार के गुणों को विकसित करने वाले महान चिकित्सक डाक्टर विलियम ओस्लर ने अपनी पुस्तक 'प्रिंसिपल्स एंड प्रेक्टिसेज आफ मेडिसिन' में समझाया है कि मरीज एक मामला नहीं, बल्कि जीवंत व्यक्ति है और उसके साथ प्रेमपूर्ण संबंध रखना चाहिए। डा ओस्लर निमोनिया से पीड़ित एक ऐसी बच्ची का इलाज कर रहे थे, जिसकी मृत्यु तय थी।

उस बच्ची से वे रोज मिलने जाते और उसे एक गुलाब का फूल देते. अगले दिन दूसरा गुलाब देते हुए समझाते कि जिस प्रकार गुलाब एक दिन बाद कुम्हला जाता है, उसी तरह मनुष्य कभी भी कुम्हला सकता है। इस परवाह रखने वाले रवैये से डा ओस्लर ने उस बच्ची और उसके परिजनों का दुख कम किया। ओस्लर कहते थे कि रोग के वैज्ञानिक विश्लेषण और इलाज के साथ ही रोगी की पीड़ा को समझकर उसकी परवाह करना धर्म है।

परवाह करना या किसी से सरोकार रखना बहुत छोटा शब्द है, लेकिन यह दिखाना कि हमें किसी की परवाह है, बड़ी बात है। हमें सिर्फ परवाह करनी ही नहीं, बल्कि उस परवाह को जताने भी आना चाहिए। बीमार व्यक्ति की तबीयत पूछना, रोगी को उस रोग के मिट जाने का दिलासा देना, किसी शोकाकुल परिवार से नियमित अंतराल पर मिलते रहना आदि परवाह जताने के पल हैं।

राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के गौरवशाली सौ वर्ष

डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार ने पावन पर्व विजयदशमी के दिन 27 सितंबर 1925 को महाराष्ट्र के नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की स्थापना राष्ट्र, संस्कृति व समाज हित के लिए की थी। संघ स्थापना काल से लेकर के आज तक देश के सामाजिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय ढांचे को मजबूत करते हुए अपने कार्यों के दम पर करोड़ों लोगों के जीवन को बेहतर बनाते हुए, राष्ट्र निर्माण में पूरी निष्ठा व ईमानदारी से योगदान देने का कार्य निरंतर कर रहा है। हालांकि देश में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के निर्माण के दिन से ही उसके बारे में तरह-तरह का दुष्प्रचार करने की क्षणिक स्वार्थ पूरा करने वाली राजनीति की जबरदस्त ढंग से होती रही है, यह लोग ओछी राजनीति से वशीभूत होकर के राष्ट्र निर्माण में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यानी कि आरएसएस की कोई भी भूमिका नहीं रही, आम जनमानस को ऐसा बता कर के संघ के प्रति आम जनमानस को बरगलाने का प्रयास करते हैं, जो सरासर ग़लत है।

वैसे भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राष्ट्र निर्माण के लिए किये गये कार्यों की लंबी फेरहिस्त देखें तो उससे यह स्पष्ट होता कि राष्ट्र के निर्माण में राष्ट्रीय स्वयंसेवक का हमेशा अनमोल योगदान रहा है, उस योगदान की अनदेखी करना देश हित व समाज हित में उचित नहीं है। इसलिए समय रहते हम लोगों को यह समझना होगा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ देश का अनुशासित सांस्कृतिक संगठन है, संघ का स्वयंसेवक बिना किसी लोभ-लालच के राष्ट्र व समाज के लिए निस्वार्थ भाव से अपने तन, मन और समय को अर्पित करने का कार्य करता है। एक सच्चे स्वयंसेवक का जीवन केवल निजी उपलब्धियों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वह अपनी सांसों को भी मातृभूमि की सेवा का साधन बना देता है, वह राष्ट्र के लिए सर्वस्व न्यौछावर करने के लिए हर पल तत्पर रहता है।

वैसे भी किसी भी ताकतवर राष्ट्र के निर्माण के लिए अनुशासन व नैतिकता बेहद आवश्यक होती है, इन दोनों के बिना किसी भी ताकतवर राष्ट्र का निर्माण संभव नहीं है और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के स्वयंसेवक के लिए नैतिकता व अनुशासन सर्वोपरि होता है, इसलिए उसका राष्ट्र निर्माण में अहम योगदान है।

संघ सामाजिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय निर्माण की विचारधारा के दम पर ही दुनिया भर में अपनी विशेष पहचान रखता है। यह देश व दुनिया का एक ऐसा संगठन है जो अपनी विशेष कार्यशैली के दमखम पर दुनिया में सनातन धर्म-संस्कृति के रक्षक तौर पर और एक बहुत बड़े सामाजिक संगठन के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। संघ अपने निर्माण के सौ वर्षों के लंबे सफ़र के बाद अब अपनी कार्यशैली के बलबूते दुनिया के ताकतवर बड़े गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) में शुमार हो गया, आज भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक फैलें हुए हैं और सबसे अहम बात यह है कि संघ दुनिया भर का एक ऐसा संगठन है, जोकि अपनी स्थापना के सौ वर्षों के बाद भी अपनी विचारधारा व उद्देश्यों से जरा भी नहीं भटका है, आज भी अपनी विचारधारा पर संघ पूरी तरह से कायम है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ संगठन की सबसे बड़ी खूबी यह है कि संघ के राष्ट्र निर्माण व समाज के लिए पूरी तरह से निस्वार्थ भाव से समर्पित स्वयंसेवकों की टोली हमेशा अपना कार्य निस्वार्थ भाव से करना जारी रखती और कभी भी श्रेय लेने तक का भी प्रयास नहीं करती है। हालांकि देश व दुनिया में जब से डिजिटल क्रांति आयी है तब से लोगों को यह पता चलने लगा है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने स्थापना काल के दौर से ही राष्ट्र निर्माण, एकता और सांस्कृतिक जागरण के दीप को प्रज्ज्वलित करते हुए समाज को संगठित करने और सांस्कृतिक गौरव बढ़ाने पर जोर दिया है। देश की आज़ादी के दौर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने जहां लोगों को राष्ट्रभक्ति के भाव से ओतप्रोत करने का कार्य बखूबी किया था, वहीं आजाद भारत में संघ ने समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने के प्रयास करते हुए एकता और आत्मविश्वास को बढ़ाने का कार्य करते हुए राष्ट्र व समाज हित में निरंतर कार्य कर रहा है। आज देश के दूरदराज इलाकों तक में भी संघ अपनी 55 हज़ार शाखाओं व करोड़ों स्वयंसेवकों के माध्यम से पहुंच कर जनहित व राष्ट्रहित के कार्यों को निरंतर अंजाम दे रहा है।

राष्ट्र निर्माण के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्य की बात करें तो संघ के स्वयंसेवकों ने वर्ष 1947 में देश के विभाजन के दौरान पाकिस्तान से आए हुए विस्थापितों की सहायता करते हुए, उन लोगों के जान-माल की सुरक्षा करने का कार्य बड़े पैमाने पर किया था।

संघ ने दादरा, नगर हवेली और गोवा के विलय में निर्णायक भूमिका निभाने का कार्य किया था, 2 अगस्त 1954 की सुबह संघ के स्वयंसेवकों ने पुतर्गाल का झंडा उतारकर तिरंगा फहरा कर पुतर्गाल के कब्जे से मुक्त करवाया था। संघ के स्वयंसेवक 1955 से चले गोवा मुक्ति संग्राम में शामिल रहे, उन्होंने गोवा में सशस्त्र हस्तक्षेप करने से तत्कालीन सरकार के द्वारा इनकार करने पर जगन्नाथ राव जोशी के नेतृत्व में गोवा पहुंच कर के आंदोलन शुरू किया था, लेकिन बाद में जब जगन्नाथ राव जोशी सहित संघ के कार्यकर्ताओं को दस वर्ष की सजा हुई तो गोवा के हालत बिगड़ने पर अंततः भारत सरकार के सैनिकों को हस्तक्षेप करना पड़ा था और वर्ष 1961 में संघ की क्रांति के दीप से ही गोवा भी स्वतन्त्र हुआ था।

संघ के स्वयंसेवक अनुशासन व ट्रेनिंग के दम पर ही तो देश में सामाजिक सेवा, आपदा प्रबंधन के कार्य में बढ़-चढ़कर के हिस्सा लेते आये है। भूकंप, बाढ़, अग्निकांड, चक्रवाती तूफ़ान, युद्ध, महामारी (प्लेग व कोरोना आदि) और अन्य राष्ट्रीय संकटों के समय हमेशा अपनी जान की परवाह किए बिना ही राहत व बचाव के कार्यों में बढ़-चढ़कर के सक्रिय भूमिका निभाते हुए नज़र आते हैं।

विद्या भारती, सेवा भारती जैसे संगठनों के माध्यम से संघ देश में शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में कार्यरत हैं। विद्या भारती जैसे संघ के संगठनों ने भारतीय संस्कृति और मूल्यों पर आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने का कार्य पूरे देश में चला रखा है। देश में हजारों स्कूलों के माध्यम से लाखों छात्रों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा निरंतर प्रदान की जा रही है। संघ के द्वारा शिक्षा के माध्यम से नैतिकता, देशभक्ति और सामाजिक समरसता जैसे मूल्यों को युवा पीढ़ी में स्थापित करने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है। आज देश में 86 प्रांतीय एवं क्षेत्रीय समितियाँ विद्या भारती से संलग्न हैं। जिसके अंतर्गत 30 हज़ार शिक्षण संस्थाओं में 9 लाख शिक्षकों के मार्गदर्शन में 45 लाख छात्र-छात्राएं शिक्षा एवं संस्कार ग्रहण कर रहे हैं। इनमें से 49 शिक्षक प्रशिक्षक संस्थान एवं महाविद्यालय, 2353 माध्यमिक एवं 923 उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, 633 पूर्व प्राथमिक एवं 5312 प्राथमिक, 4164 उच्च प्राथमिक एवं 6127 एकल शिक्षक विद्यालय तथा 3679 संस्कार केंद्र हैं। वहीं आज देश के विभिन्न दूरदराज तक के हिस्सों में शिशु वाटिकाएं, शिशु मंदिर, विद्या मंदिर, सरस्वती विद्यालय, उच्चतर शिक्षा संस्थान, शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र और शोध संस्थान हैं। देश में इन सरस्वती मंदिरों की संख्या अब भी निरंतर बढ़ रही है और आज विद्या भारती देश का सबसे बड़ा गैर सरकारी शिक्षा संगठन बन चुका है।

वर्ष 1962 में चीन से हुए युद्ध में भी संघ ने बहुत बड़ी भूमिका का निर्वहन किया था। तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने जिससे प्रभावित होकर संघ को वर्ष 1963 के गणतंत्र दिवस की परेड में शामिल होने का निमन्त्रण तक दिया था।

संघ देश मे तेजी से चल रहे धर्मांतरण की आंधी को रोकने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है, सामाजिक समरसता और सुधार के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। देश के आदिवासी क्षेत्रों में जिस तरह से तेजी से धर्मांतरण करने का जाल बिछाया गया, संघ के स्वयंसेवकों ने जान की बाजी लगाकर उसको काफी हद तक रोकने का कार्य किया है।

संघ ने समाज में व्याप्त जातिगत भेदभाव को कम करने और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के लिए बहुत सारे अभियान चलाए है। यह समाज के सभी वर्गों को एकजुट करने पर जोर देता है। आदिवासी और वंचित समुदायों के उत्थान के लिए वनवासी कल्याण आश्रम जैसे संघ के संगठन देश के दूरदराज तक के क्षेत्रों में कार्यरत हैं।

संघ ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध चले जेपी आंदोलन में और देश में लगे आपातकाल के विरुद्ध चले आन्दोलन में बड़ी अहम भूमिका निभाने का कार्य किया था और इंदिरा गांधी को सत्ता से बाहर करने का कार्य किया था।

संघ के स्वयंसेवकों ने प्रभु श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए चले लंबे आंदोलन में बलिदान देकर के राममंदिर आंदोलन को तेज गति देने का कार्य किया था।

वैसे भी हमें यह समझना होगा कि सशक्त शक्तिशाली भारत का निर्माण केवल सरकार या सत्ता में बैठे हुए चंद लोगों के द्वारा नहीं हो सकता है। सशक्त भारत का निर्माण देश के किसानों, सैनिकों, दूरद्रष्टाओं, वैज्ञानिकों, शिक्षकों, संतों, मजदूरों, व्यक्तियों और संगठनों सहित करोड़ों लोगों के सामुहिक प्रयासों से हुआ है। इसलिए एक गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सौ साल की यात्रा राष्ट्र के निर्माण के लिए गौरवशाली रही है। इस गौरवशाली यात्रा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अनगिनत स्वयंसेवकों ने राष्ट्र निर्माण व मातृभूमि के कल्याण के संकल्प को पूरा करने के लिए अपना पूरा जीवन निस्वार्थ भाव से समर्पित करने का कार्य किया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की सौ साल की समर्पित और गौरवशाली यात्रा पर हम सभी को गर्व होना चाहिए और हमेशा इस यात्रा से प्रेरणा लेते हुए सभी देशभक्त देशवासियों को भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए कार्य करना चाहिए।

गांधी-शास्त्री जयन्ती पर आयोजित हुए विविध कार्यक्रम' : डीएम, सीडीओ, एडीएम ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व पीएम लालबहादुर शास्त्री जी की जयन्ती पर पुष्पांजलि कर दी श्रद्धांजलि'

शास्त्री जी ने ''जय जवान-जय किसान'' से बनाया भारत को आत्मनिर्भर - जिलाधिकारी

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री जी की जयन्ती/अन्तर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी शैलेष कुमार द्वारा कलेक्टेट्ट एवं मुख्य विकास अधिकारी बाल गोबिन्द शुक्ल द्वारा विकास भवन पर ध्वजारोहण किया गया। दोनों महान जननायको की प्रतिमा पर पुष्पाजंलि/माल्यार्पण करते हुए कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी शैलेष कुमार व अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों ने कोटि-कोटि नमन करते हुए उन्हे श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में जवाहर नवोदय विद्यालय के संगीत शिक्षक के नेतृत्व में आयें छात्र-छात्राओं ने गांधी जी का प्रिय भजन- ''रघुपति राघव राजा राम'' वैष्णव जन तो तेने कहिए, पीड़ पारायी जाणे रे'' गाया जिसको सभी ने दुहराकर उसका अनुसरण किया। उनके कृतित्व पर छात्राओं ने अच्छी प्रस्तुति की। संगीत गायन वादन करने वाले छात्रों को जिलाधिकारी ने उपहार देकर प्रेरित किया।

जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने गांधी व शास्त्री को नमन करते हुए भारतीय स्वाधीनता आन्दोलन में उनके महत्व को रेखांकित किया। उन्होने गांधी जी के सत्याग्रह, सत्य और अहिंसा, स्वराज, स्वदेशी, ग्रामोदय, अन्त्योदय, गांधी जी के जन्तर/मंत्र, ग्राम स्वराज, चरखा आदि विचारो व जीवन शैली पर प्रकाश डालते हुए उन्होने प्रेरित किया। जिलाधिकारी ने ''जय जवान-जय किसान'' मंत्र के प्रणेता, विराट व्यक्तित्व के पहचान, सादगी और कर्तव्य निष्ठा के प्रतीक पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री जी के योगदानो पर प्रकाश डाला। उन्होने बताया कि ''गांधी जी ने कहा था कि ''भारत की आत्मा गॉव में बसती है।'' पंचायतो को सशक्त बनाकर ही हम देश के विकास में जन-जन की सहभागिता को शामिल कर सकते है। जिलाधिकारी ने कहा कि गांधी जी के विचारो में ''जहॉ स्वच्छता है वहीं ईश्वर का वास होता है।

अपर जिलाधिकारी वि./रा. कुंवर वीरेंद्र मौर्य ने दोनो महान विभूतियों को नमन करते हुए कहा कि सत्य, अहिंसा, सविनय अवज्ञा, सत्याग्रह गांधी जी के चार अहिंसात्मक मार्ग थे जिनका प्रयोग आजीवन किया। गांधी जी के ट्रस्टीशिप सिद्धान्त पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सबकुछ हमारा है, कुछ भी हमारा नही है। अपनी आत्मा में सत्य और अहिंसा को आत्मसात करना ही सत्याग्रह है। अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 कुंवर विरेन्द्र मौर्य ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व लालबहादुर शास्त्री को नमन करते हुए भारतीय स्वाधीनता संग्राम में उनके योगदानों पर प्रकाश डाला, बताया कि महात्मा गांधी जिन्हे सारा देश प्यार से बापू कहता है। उन्होंने सत्य व अहिंसा का रास्ता दिखाया। जिस पर हम सभी को जीवन भर चलते हुए आगे बढ़ना चाहिए। लालबहादुर शास्त्री बगल के वाराणसी-चन्दौली के निवासी थे। जिनके सघर्षो की कहानी हम सभी सुनते है। उन्होंने आजीवन सादा-जीवन उच्च विचार को

अपनाकर देश के विकास में अपना योगदान दिया।

मुख्य विकास अधिकारी बाल गोबिन्द शुक्ल ने विकास भवन सभागार में दोनों महानुभावों को नमन करते हुए माल्यार्पण कर कहा कि पंचायतो के सशक्तिकरण से ही भारत आने वाले 25 वर्षो में आत्मनिर्भर भारत की ओर अग्रसर होगा। उन्होंने गांधी जी के ग्राम स्वरोजगार पर बल देते हुए बताया कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, खाद्यी व ग्रामोद्योग विभाग, मनरेगा, उज्ज्वला, आयुष्मान कार्ड, कक्षा-8 तक के निःशुल्क शिक्षा व एमडीएम, अमृत सरोवर, पंचायत सचिवालय, आदि के माध्यम से ग्राम पंचायतों को सशक्त बनाया जा रहा है। उन्होने सभी ग्राम प्रधानो से पंचायतो में नवाचार उपायो को अपनाने पर बल दिया। उन्होने वोकल फार लोकल, एक जनपद एक उत्पाद, स्वदेशी व स्वालम्बन पर जोर दिया।

अपर जिलाधिकारी न्यायिक विजय नारायण सिंह ने कहा कि गांधी जी मानवता व सामाजिक सरोकारो के वैश्विक प्रतिमूर्ति है। आज भी साबरमती आश्रम उनके जीवन शैली का संदेश देता है। स्वाधीनता समर की वेदी में असहयोग आन्दोलन, सविनय अवज्ञा आन्दोलन, भारत छोड़ो आन्दोलन के माध्यम से देश को आजाद कराते हुए उन्होंने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। वे राष्ट्रीय एकता, जाति पात का खण्डन, महिलाओं के सामाजिक उत्थान में अतुलनीय योगदान दिया। ''जय जवान-जय किसान'' नारे के साथ उन्होंने लालबहादुर शास्त्री जी के मूल्यों व सघर्षो पर बल दिया।

जनपद में गांधी-शास्त्री जयन्ती पर जिलाधिकारी के कुशल मार्गदर्शन में विविध कार्यक्रम आयोजित हुए। जिलाधिकारी द्वारा ग्राम-पिपरीस में कुष्ठ रोगियों को फल, पौष्टिक आहार व दवा का वितरण किया गया। इसी क्रम में जिला क्रीड़ाधिकारी के नेतृत्व में खेल स्टेडियम से देवनाथपुर तक शांति मैराथन रैली का आयोजन किया गया। जनपद के सभी शासकीय कार्यालयों/स्कूल कॉलेजो व संगठनो संस्थाओं में ध्वजारोहण कर साफ-सफाई हेतु श्रमदान कर गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए विचार गोष्ठी/भाषण/वाद-विवाद/परिचर्चा का आयोजन किया गया तथा उनके विचारो व सन्देशो को आत्मसात करने पर बल दिया गया। गांधी जी द्वारा बताये गये महिलाओं की उन्नति, गॉव को आत्म निर्भर बनाने आपसी सौहार्द ग्रामीण जीवन में सुधार लाने वाले जन कल्याणकारी योजनाओं पर बल दिया गया।

जिला क्रीडाधिकारी द्वारा बताया गया कि तहसीलदार भदोही मिश्री सिंह चौहान के नेतृत्व में जिला खेल कार्यालय के तत्वाधान में आयोजित महिलाओं की तीन किलो मीटर, व पुरूष/महिला की क्रांस कन्ट्री रेस में प्रथम से 06 स्थान तक आने वाले कुल 12 खिलाडियों को टैक्कशूट टी-शर्ट देकर सम्मानित किया गया।

समस्त ग्राम पंचायतों, नगरीय निकायों, मलिन बस्तियों की साफ-सफाई करते हुए ब्लिचिंग पाउडर आदि का छिड़काव किया गया। महिलाओं की उन्नति के लिए महात्मा गांधी के बताये गये मार्ग का अवलम्बन करने हेतु बालिका शिक्षा, दहेज प्रथा की समाप्ति, महिला सशक्तिकरण, सामाजिक व आर्थिक क्षेत्रों में उनकी मजबूत भागीदारी कराने हेतु ऑगनबाड़ी कार्यकत्री, आशा बहुओं के साथ-साथ महिला कल्याण विभाग, महिला व बाल विकास पुष्टाहार विभाग के माध्यम से कार्यक्रम आयोजित किये गये। समस्त तहसीलों, विकास खण्डों, नगरीय निकायों, ग्राम पंचायतों, प्रतिष्ठानों, संस्थाओं पर भी विविध कार्यक्रम आयोजित कर जनमानस को जागरूक किया गया।

मिशन शक्ति के तहत महिलाओं को किया गया जागरूक, एंटी रोमियो चेकिंग में 10 मनचले पकड़े

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। नगर जिले में महिला सशक्तिकरण एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे मिशन शक्ति फेज 5.0 अभियान के तहत थाना शिवनगर डिडई क्षेत्र में गुरुवार को पुलिस टीम द्वारा व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक अभिषेक महाजन के निर्देश, अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद व क्षेत्राधिकारी बांसी मयंक द्विवेदी के पर्यवेक्षण में तथा थाना प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में उपनिरीक्षक अयोध्या यादव, का0 गुड्डू यादव, का0 बृजेश यादव व महिला हेड कांस्टेबल नीलम शुक्ला द्वारा ग्राम कठोलवा, परसा खुर्द व गोलहौरा की महिलाओं और छात्राओं को उनके अधिकारों एवं सुरक्षा संबंधी जानकारी दी गई।

महिलाओं को 1090 वुमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 112 पुलिस हेल्पलाइन व 1098 चाइल्ड लाइन जैसी आपातकालीन सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। साथ ही छात्राओं को निर्भीक होकर शिक्षा प्राप्त करने व आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया गया तथा यातायात नियमों का पालन करने की अपील भी की गई। सुरक्षा से संबंधित पंपलेट का भी वितरण किया गया।इसके अतिरिक्त एंटी रोमियो चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस ने 10 मनचलों को पकड़ा, जिनसे माफीनामा भरवाकर छोड़ दिया गया। वहीं अनियमितता पाए जाने पर 01 वाहन का ई-चालान भी किया गया।

कमरे में मिला एसडीएम के चालक का शव

आजमगढ। फूलपुर एसडीएम के वाहन चालक की सोमवार की देर शाम संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गयी। उनका शव फूलपुर तहसील परिसर में स्थित आवास में मिला। पुलिस घटना की जांच कर रही है। कप्तानगंज थाना क्षेत्र के चेवता गांव निवासी 53 वर्षीय मानधाता सिंह काफी दिनों से फूलपुर एसडीएम के सरकारी वाहन के चालक के पद पर कार्यरत थे। वे फूलपुर तहसील परिसर में स्थित आवास में अकेले रहते थे। सोमवार की शाम को मानधाता सिंह अपने आवास में सो रहे थे। तहसील के माली देर शाम करीब साढ़े छह बजे किसी कार्य से मानधाता सिंह को बुलाने के लिए गया।

कमरे में उन्हें मृत हालत में पड़ा देख उसने शोर मचाया। शोर सुनकर आस-पास के अन्य कर्मचारी भी आ गए। कर्मियों का कहना है कि मानधाता के कान से ब्लड बह रहा था। घटना की सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर आयी। जांच पड़ताल के बाद शव को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फूलपुर कोतवाल ने कहा कि मानधाता शराब पीने के आदी थे और उनकी तबीयत भी काफी खराब चल रही थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा। इधर मानधाता के मौत की खबर जब परिजनों को हुई तो परिवार में कोहराम मच गया। मानधाता के दो पुत्र और एक पुत्री है।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री की जयंती बड़े धूम धाम से मनायी

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री श्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती बड़े ही धूम धाम से नगर पंचायत कार्यालय में मनाई गई जिसमें मा अध्यक्ष ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी के चित्रण पे माल्यार्पण किया गया । साथ ही मिशन महिला शक्ति अभियान के तहत महिलाओं को माल्यार्पण व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किए। इस अवसर पे सभासद व समस्त कर्मचारी मौजूद रहे

इसी क्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुरियावा पर अधीक्षक डॉक्टर अभिषेक कुमार नाग थानाध्यक्ष अजीत कुमार श्रीवास्तव तथा खंड विकास कार्यालय सुरियावा में खंड विकास अधिकारी सुरियावां द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनके बताए गए आदर्श पर चलने का संकल्प लिया गया, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी अपने जीवन पर्यंत असाध्य रोगों से पीड़ित व्यक्तियों की सेवा की, से प्रभावित होकर अवकाश होने के बावजूद भी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुरियावा पर सैकड़ो मरीजों का उपचार करते हुए ओपीडी एवं आईपीडी का कार्य अधीक्षक सहित चिकित्सकों द्वारा किया गया

भाजपा ने तेजस्वी यादव और राहुल गांधी को बताया 'कलयुग का रावण'

मंत्र भारत संवाददाता

पटना **(एजेंसी)**। बिहार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोशल मीडिया पर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर बड़ा हमला बोला है। पार्टी के आधिकारिक 'एक्स' हैंडल से बृहस्पतिवार को एक पोस्टर साझा किया गया, जिसमें दोनों नेताओं को 'कलयुग का रावण' बताया गया है। पोस्टर में लिखा गया है, 'मातृशक्ति के अपमान का प्रतीक रावण आज भी मौजूद है, बस चेहरा बदल गया है। जनता अपने मत से इस रावण का अंत तय करेगी।'

साझा किए गए पोस्टर में एक

तरफ त्रेता युग के रावण की तस्वीर लगाई गई है और कैप्शन में लिखा गया है, 'जिसने मां जानकी का अपहरण किया, उनका अपमान किया।' दूसरी ओर राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की तस्वीर के साथ उल्लेख किया गया है, 'कलयुग के रावण। जिनके मंच से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दिवंगत मां का अपमान किया गया।' राजद ने भी अपने सोशल साइट हैंडल 'एक्स' पर विजयादशमी के बहाने राजग सरकार पर हमला किया और लिखा है कि बिहार में सत्ता परिवर्तन के साथ ही अफसरशाही, अहंकार, भ्रष्टाचार और झूठे सरकारी प्रचार के ''रावण'' का अंत हो जाएगा।

पार्टी ने 'एक्स' पर लिखा कि तेजस्वी यादव के नेतृत्व में बनने वाली सरकार राज्य में तुरंत जनकल्याण, नौकरी और रोजगार की दिशा में काम करेगी। राजद ने कहा कि ''तेजस्वी की सरकार'' ही ऐसी सरकार होगी जो सचमुच जनता के सरोकारों और कल्याण के लिए समर्पित होगी।

पुलिसकर्मियों को गांधी जी के आदर्शों व विचारों से कराया गया अवगत

अपर पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा पुलिस कार्यालय में गांधीजी के चित्र पर किया गया माल्यार्पण

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के 156वीं जयंती के अवसर पर अभिमन्यु मांगलिक, पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा पुलिस लाईन ज्ञानपुर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी तथा पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी के चित्र का अनावरण कर माल्यार्पण करते हुए सलामी उपरांत सभी को राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी व लाल बहादुर शास्त्री जी के जीवन चरित्र तथा उनके द्वारा दिखाये गये सत्य एवं अहिंसा के मार्ग पर चलने, उनके आदर्शों को जीवन में आत्मसात करने हेतु प्रेरित किया गया। पुलिस अधीक्षक, महोदय द्वारा कहा गया कि हमें स्वच्छता को अपने जीवन में अपनाना होगा जो घर, आंगन तक ही सीमित न रहकर हमारे मन व कर्म में भी हो। गरीब व असहाय लोगों के प्रति उदारता एवं सहानुभूति के साथ उनका आदर सत्कार करें। ईश्वर नें हम सबको यह अवसर दिया है कि हम सब ऐसे सभी लोगों की सेवा कर सकें, यह वर्दी हम सबकी शान है और सदैव इसकी गरिमा को बरकरार रखना हम सबका प्रथम कर्तव्य है। हमें अपने कर्तव्य को सर्वोपरि रखते हुए पूर्ण निष्ठा व ईमानदारी से प्रत्येक व्यक्ति की सहायता व सहयोग करना है। ऐसे महान व्यक्तित्व का सपना तभी पूर्ण होगा जब हम सब शांति, अहिंसा, सत्य,

समानता, महिलाओं के प्रति सम्मान जैसे आदर्शों पर चलेंगे। महोदय द्वारा उपस्थित समस्त पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी को राष्ट्रीय एकता और अखंडता को अक्षुण्य बनाए रखने एवं सत्यनिष्ठा के साथ कर्तव्य निर्वहन की शपथ दिलाई गई। शुभम अग्रवाल, अपर पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा पुलिस कार्यालय में महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। गांधीजी के आदर्श व विचारों से पुलिस कर्मियों को अवगत कराया गया।

जनपद के प्रत्येक थाना/कार्यालयों पर भी सम्बन्धित अधिकारी/प्रभारी द्वारा राष्ट्रपिता के चित्र का अनावरण करते हुए हर्षोल्लास के साथ गांधी जयंती मनाया गया।

पत्नी के आरोपों के बीच राजा भैया ने दिखाई ताकत!

विजयदशमी के दिन कुंडा में किया शस्त्र पूजन, वीडियो वायरल

मंत्र भारत संवाददाता

प्रतापगढ़। विजयादशमी के अवसर पर देशभर में शस्त्र पूजन की परंपरा निभाई जाती है। इसी परंपरा का पालन करते हुए यूपी के कुंडा विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया ने भी शस्त्र पूजन किया। इस कार्यक्रम का वीडियो सामने आया है, जिसमें राजा भैया पंडितों के मंत्रोच्चारण के बीच गुलाब की पंखुड़ियां चढ़ाते दिखाई दे रहे हैं। यह आयोजन कुंडा के बेती महल परिसर में हुआ। इसमें राजा भैया के परिवार के करीब 30 लाइसेंसी हथियारों का पूजन किया गया। इसके साथ ही उनके समर्थकों के हथियार भी टेबलों पर रखकर विधि-विधान से शस्त्र पूजन संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के वीडियो में साफ दिखाई देता है कि कई टेबलों पर चादर बिछाकर दर्जनों हथियार सजाए गए थे। पंडित मंत्रोच्चारण कर रहे थे और राजा भैया विधि-विधान से गुलाब की पंखुड़ियां अर्पित कर पूजन कर रहे थे।

गौरतलब है कि कुछ दिन पहले राजा भैया की पत्नी ने सोशल मीडिया पर असलहों के जखीरे की फोटो साझा की थी। उसके बाद पहली बार राजा भैया ने खुले तौर पर समर्थकों के साथ शस्त्र पूजन का आयोजन किया। दशहरे के मौके पर यूपी, बिहार, राजस्थान और कई अन्य राज्यों में शस्त्र पूजन की परंपरा निभाई जाती है।

मां दुर्गा प्रतिमा विसर्जन एवं दशहरा पर्व के दृष्टिगत श्री अभिमन्यु मांगलिक पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा श्री चमन सिंह चावड़ा क्षेत्राधिकारी ज्ञानपुर के साथ थाना ज्ञानपुर क्षेत्र अंतर्गत विसर्जन स्थल सिंहपुर नहर पुलिया का भ्रमण/ निरीक्षण करते हुए ड्यूटीरत पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

चकबंदी वादों के निस्तारण में लेटलतीफी पर मांगा स्पष्टीकरण

आजमगढ़। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को कलक्ट्रेट सभागार में चकबंदी विभाग के कार्यों की समीक्षा की गई। इस दौरान डीएम ने कहा कि धारा 52 के प्रकाशन के बाद भी कब्जा परिवर्तन न करने वाले चकबंदी अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। चकबंदी वादों के निस्तारण में लेटलतीफी पर उन्होंने चार चकबंदी अधिकारियों को स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी चकबंदी अधिकारी नियमित रूप से कोर्ट में बैठकर कोर्ट केस में डिस्पोजल की संख्या बढ़ाए। उन्होंने चकबंदी से संबंधित कोर्ट केस के निस्तारण में अपेक्षित प्रगति न पाए जाने पर चकबंदी अधिकारी फूलपुर अखिलेश पांडेय एवं संजय कुमार सिंह, चकबंदी अधिकारी सठियांव अनुज सक्सेना एवं चकबंदी अधिकारी जहानागंज मनोज कुमार पांडेय को स्पष्टीकरण देने तथा उसकी कॉपी चकबंदी आयुक्त को भेजने का निर्देश दिया।उन्होंने कहा कि शासन के निर्देशों के अनुसार चकबंदी से संबंधित सभी कार्रवाई करें। आदेश होने के बाद निस्तारण की संख्या पोर्टल पर तीन दिन के अंदर अपलोड करें। उन्होंने निर्देश दिया कि चकबंदी से संबंधित आईजीआरएस पर आने वाली शिकायतों में शिकायतकर्ताओं से बात करें एवं क्षेत्र भ्रमण कर आवेदकों को संतुष्ट करें। आईजीआरएस पर लंबित सभी आवेदनों को निर्धारित अवधि में निस्तारित किया जाए। आईजीआरएस पर कोई भी प्रकरण डिफाल्टर नहीं होना चाहिए।

रामलीला हमारी सांस्कृतिक धरोहर का अभिन्न हिस्सा - सांसद

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। औराई विकास खंड के चंद्रपुरा गांव में आयोजित रामलीला मंचन में मंगलवार को देर रात मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे सांसद डॉ. विनोद कुमार बिंद ने सभी लोगों का उत्साहवर्धन किया और साथ ही रामलीला की गाथा के बारे में लोगों को बताया, चंद्रपुरा कमेटी द्वारा आयोजित रामलीला कार्यक्रम की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह कथा हमें हमारी सनातन संस्कृति के मूल्यों को याद दिलाती है और हमें दुनिया की अन्य संस्कृतियों से अलग बनाती है। उन्होंने रामलीला कमेटी के सदस्यों का हृदय से आभार व्यक्त किया और ईश्वर से प्रार्थना की कि वे इस पुनीत कार्य को आगे बढ़ाते रहें। उन्होंने कहा कि रामचरितमानस में गोस्वामी तुलसीदास जी द्वारा उकेरे गए चरित्र हमें हमारी संस्कृति के मूल्यों को याद दिलाते हैं।गोस्वामी तुलसीदास जी ने जब हिंदुस्तान की संस्कृति नष्ट होने की कगार पर पहुंच गई थी, तब इस गाथा को लिखा और इसे जनमानस की गाथा बनाई।आज भी बच्चे लक्ष्मण के चरित्र का बखान करते हैं, जो एक भाई के रूप में वन में अपने भाई का किस तरह से ध्यान रखते हैं। उन्होंने आगे कहा यह गाथा हमें हमारी संस्कृति के मूल्यों को याद दिलाती है और हमें आने वाली पीढ़ियों के लिए भी प्रेरणा देती है। इस अवसर पर संतोष कुमार बिंद, मंडल अध्यक्ष भाजपा सुनील बिंद, शिवम तिवारी, अनिरुद्ध कुमार, प्रेम चंद्र, देवी प्रसाद , सूर्यप्रकाश सहित काफी संख्या में लोग मौजूद रहें।

दशहरा शुरू होने से पहले ही गिर गया रावण का पुतला

बनाने वाले कारीगर समेत 3 लोग घायल

भोपाल। उज्जैन का दशहरा मैदान आज देशभर की तरह रावण दहन की तैयारी में था, लेकिन तेज आंधी ने अचानक खेल बिगाड़ दिया। लाला अमरनाथ स्मृति समिति द्वारा 62वें दशहरा उत्सव के अवसर पर आयोजित विशाल रावण का पुतला तेज हवा के झोंकों में धराशायी हो गया। घटना के समय पुतले के नीचे काम कर रहे एक कलाकार को सिर में चोट लगी। उन्हें तुरंत उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। मौके पर मौजूद लोग और आयोजन समिति सदमे में रह गए, क्योंकि किसी को भी पुतले के गिरने की भनक पहले नहीं थी। उज्जैन में अभी भी तेज आंधी और बारिश का दौर जारी है। शहर में बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक रावण दहन आज तीन से चार स्थानों पर होना है, लेकिन मौजूदा मौसम की मार के कारण पुतले जलाने और आयोजन को सुचारू रूप से संपन्न कराने में काफी कठिनाई हो रही है।

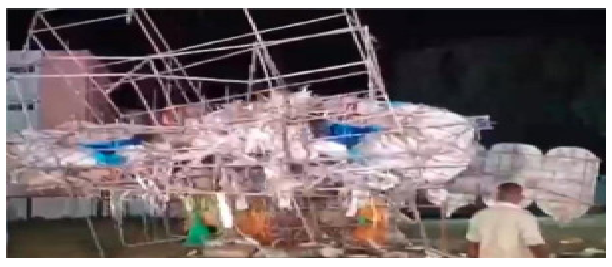

जयंती पर बापू-शास्त्री को किया याद प्रदेशवासियों को योगी ने दी विजय दशमी की बधाई

लखनऊ **(एजेंसी)**। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व देश के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को दोनों विभूतियों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। गोरखनाथ मंदिर के आवासीय भवन के प्रथम तल पर दोनों महान विभूतियों के चित्र पर पुष्पार्चन करने के बाद मुख्यमंत्री ने उनके अविस्मरणीय योगदान को याद करते हुए कृतज्ञता व्यक्त की। योगी ने ऐलान करते हुए स्वदेशी को और बढ़ावा देने के लिए उन्होंने दीपावली के पूर्व प्रदेश के प्रत्येक जनपद में उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो की तर्ज पर स्वदेशी मेला आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों को विजय दशमी की बधाई भी दी।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की स्मृतियों को नमन करते हुए सीएम योगी ने कहा कि सत्य और अहिंसा की ताकत क्या होती है, इसका एहसास भारत के स्वाधीनता आंदोलन में महात्मा गांधी के नेतृत्व में भारत ने पूरी दुनिया को कराया। मुख्यमंत्री ने कहा कि महात्मा गांधी के मूल्यों और आदर्शों में स्वदेशी का महत्वपूर्ण स्थान रहा। विदेशी हुकूमत की जड़ों को उखाड़ फेंकने के लिए सत्य व अहिंसा के मार्ग का अनुसरण करने के साथ स्वदेशी देशवासियों को एकता के सूत्र में बांधने का आलंबन बनी। बापू के सपनों को साकार करने को आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्वदेशी देश और दुनिया के लिए मॉडल बन रही है। स्वदेशी से ही जुड़ी उत्तर प्रदेश सरकार की ओडीओपी (एक जिला एक उत्पाद) योजना सफलता की नई ऊंचाई को छू रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वदेशी केवल खादी तक सीमित नहीं है बल्कि वर्तमान समय में भारत की दिनचर्या का हिस्सा बन रही है। पीएम मोदी के उद्घोष के अनुरूप स्वदेशी भारत में चिप से लेकर शिप तक आत्मनिर्भरता की गारंटी बन रही है। सीएम योगी ने बताया कि 25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा में राज्य सरकार ने यूपी के उत्पादों को प्लेटफार्म देने और उन्हें वैश्विक बाजार तक पहुंचाने के लिए उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो का आयोजन किया था। उन्होंने स्वदेशी ब्रांड में उत्तर प्रदेश की प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि आज यूपी के डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर में ब्रह्मोस मिसाइल बन रही है। एके रायफल का निर्माण हो रहा है। हरदोई में बब्ले स्कॉट पिस्टल का उत्पादन प्रारम्भ हो गया है। स्वदेशी के मामले में उत्तर प्रदेश ने ऊंची छलांग लगाई है।

मुख्यमंत्री ने देश के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि शास्त्री जी स्वाधीनता आंदोलन के अग्रणी पंक्ति के सेनानी थे। वह बापू के प्रखर अनुयायी तथा स्वदेशी से स्वावलंबन के पक्षधर थे। कृषि क्षेत्र की आत्मनिर्भरता का एक मॉडल शास्त्री जी ने दिया था। उन्होंने जय जवान जय किसान का नारा देकर खाद्यान्न क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के संकल्प को मजबूत किया। वहीं यह संदेश भी दिया कि भारत शांति का पक्षधर है, पर यदि कोई उसे पर युद्ध थोपेगा तो उसका मुंहतोड़ जवाब भी दिया जाएगा। वर्ष 1965 में पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध में शास्त्री जी के नेतृत्व में मिली विजय से देश ने अपनी शक्ति का एहसास पूरी दुनिया के सामने कराया था।

दशहरे के दिन खंडवा में बहुत बड़ा हादसा! माता की प्रतिमा विसर्जन करने के दौरान नदी में गिरा ट्रैक्टर, 9 की मौत

भोपाल। शहरे के दिन खंडवा से एक बहुत बड़ा दर्दनाक हादसा हुआ है। खंडवा में ट्रैक्टर ट्राली के नदी में गिरने से कई लोगों की मौत हो गई। अब तक 9 लोगों के शव निकाले जा रहे हैं और बाकियों की तलाश जारी है। जानकारी के मुताबिक नवरात्र उत्सव के बाद माता की प्रतिमा विसर्जन करने के लिए नदी पर जाते हुए पुलिया पार करते ये दुखद हादसा हुआ।

ये घटना पंधाना थाना क्षेत्र के जली गांव की है। मौके पर तलाशी अभियान चल रहा है और कलेक्टर के साथ ही प्रशासनिक अमला मौके पर मौजूद है। इस हृदय विदारक हादसे के बाद इलाके में मातम का माहौल है और उत्सव भी चीख-पुकार में बदल गया है।

संभल में एक और मस्जिद गिराने की तैयारी, मौके पर भारी पुलिस फोर्स तैनात, अवैध निर्माण का दावा

संभल **(एजेंसी)**। प्रदेश के संभल जिले में अभी तक जामा मस्जिद और हरिहर मंदिर को लेकर विवाद चल रहा है। आए दिन इस मामले को लेकर जिले में तनाव की स्थिति बनी रहती है। अब इसी जिले में पुलिस प्रशासन एक और मस्जिद गिराने की तैयारी कर रही है।आपको बता दें कि जिले के रायाबुजुर्ग गांव में सरकारी जमीन पर बनी एक अवैध मस्जिद और मदरसे को हटाने की तैयारी पूरी हो गई है। नोटिस जारी करने के बाद पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी गुरुवार को मौके पर पहुंचे, जहां फोर्स ने फ्लैगमार्च भी किया। इस मामले को लेकर जिले प्रशासन का कहना है कि यह मस्जिद और मदरसा लगभग 10 साल पहले सरकारी भूमि पर बिना अनुमति के बनाया गया था। भूमि का सर्वेक्षण करने पर यह पाया गया कि यह जमीन ग्राम सभा की है, जिस पर कोई भी निजी निर्माण वैध नहीं है।

वहीं, इस नए मस्जिद विवाद के मामले को लेकर एसडीएम सदर ने कहा है कि 'नोटिस जारी होने के बाद भी कोई प्रतिक्रिया न मिलने पर अब ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाएग। हम शांतिपूर्ण तरीके से काम करेंगे, लेकिन कानून का पालन सुनिश्चित होगा।'

विवादित स्थल पर कोई अप्रिय घटना न घटे इसके लिए पुलिस प्रशासन तैयारी कर ली है और हर जगह पुलिस के जवनों को तैनात कर दिया गया है। लेकिन अब प्रशासन के कदम से राहत मिली है. एक ग्रामीण ने कहा, 'सरकारी जमीन पर अतिक्रमण से विकास कार्य रुक जाते हैं. अच्छा है कि कार्रवाई हो रही है.'

विश्व हिंदू महासंघ के सहमंडल प्रभारी पर दिनदहाड़े जानलेवा हमला

हालत गंभीर, काली कार में पहुंचे थे बदमाश

लखनऊ **(एजेंसी)**। हाथरस जिले में बदमाशों के हौसले इतने बुलंद है कि दिनदहाड़े विश्व हिंदू महासंघ के सहमंडल प्रभारी पर जानलेवा हमला कर दिया। काले रंग की होंडा सिटी कार और बाइक पर सवार अज्ञात हमलावरों ने विश्व हिंदू महासंघ के सहमंडल प्रभारी प्रशांत मिश्रा पर धारदार हथियारों से हमला बोल दिया। इस हमले में प्रशांत मिश्रा गंभीर रूप से घायल हो गए। गंभीर घायल हालत में उन्हें जिला अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है।

बता देंग कि पूरा मामला कोतवाली हाथरस गेट क्षेत्र के जलेसर रोड का है जहां विश्व हिंदू महासंघ सहमंडल प्रभारी प्रशांत मिश्रा अपने निजी काम से जा रहे थे तभी काले रंग की होंडा सिटी कार और बाइक सवार अज्ञात हमलावरों ने उन पर धारदार हथियारों से जानलेवा हमला बोल दिया। इस हमले में प्रशांत मिश्रा के गंभीर चोटें आई हैं जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं उन्हें देखने के लिए काफी संख्या में उनके शुभचिंतक भी अस्पताल पहुंचे गए।

वहीं पुलिस को भी इस घटना की सूचना दे दी गई।सू चना मिलने पर पुलिस भी जिला अस्पताल पहुंच गई और मामले की छानबीन करते हुए अज्ञात हमलावरों की तलाश में जुट गई। पुलिस ने घायल का डॉक्टरी परीक्षण कराया है।

बरेली में 48 घंटे तक इंटरनेट और एसएमएस सेवाएं बंद

सोशल मीडिया पर अफवाहों की आशंका के चलते प्रशासन सख्त

लखनऊ **(एजेंसी)**। 2 अक्टूबर 2025 जिले में सांप्रदायिक तनाव की आशंका और अफवाहों पर लगाम लगाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। गृह विभाग के गोपनीय अनुभाग-3 द्वारा जारी आदेश के अनुसार 2 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे से लेकर 4 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे तक जिले में सभी मोबाइल इंटरनेट, ब्रॉडबैंड और एसएमएस सेवाएं अस्थायी रूप से बंद कर दी गई हैं।

गृह विभाग के सचिव गौरव दयाल द्वारा हस्ताक्षरित आदेश में कहा गया है कि कुछ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे फेसबुक, व्हाट्सऐप, यूट्यूब आदि का दुरुपयोग कर शांति भंग करने वाली अफवाहें और भड़काऊ संदेश फैलाए जा सकते हैं। इसे देखते हुए एहतियाती कदम के तौर पर यह निर्णय लिया गया है।

प्रशासन का कहना है कि बरेली में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है। अफवाहों के ज़रिये फैलने वाले संभावित सांप्रदायिक तनाव को रोकने के लिए डिजिटल माध्यमों को कुछ समय के लिए नियंत्रित करना जरूरी था।

यह प्रतिबंध सिर्फ इंटरनेट तक सीमित नहीं है, बल्कि टेक्स्ट मैसेजिंग (एसएमएस) सेवाओं पर भी लागू रहेगा। सभी प्रमुख टेलीकॉम ऑपरेटरों को इस आदेश का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं।

दहन से पहले ही टूट गया रावण का सिर, गांधी मैदान में मचा हड़कंप

पटना। गांधी मैदान में दशहरे की धूम उस वक्त फीकी पड़ गई जब रावण दहन की तैयारियों के बीच अचानक आसमान से बारिश का कहर टूट पड़ा। भीषण बारिश ने न केवल पूरे आयोजन को अस्त-व्यस्त कर दिया बल्कि कुंभकर्ण, मेघनाद और रावण के विशाल पुतले पानी-पानी हो गए। रावण का सिर जलने से पहले ही टूटकर लटक गया, जिससे लोग हैरान रह गए।

बारिश की तेज़ धारों ने रावण दहन देखने आए हज़ारों लोगों का उत्साह ठंडा कर दिया। लोग अपनी सुरक्षा के लिए चारों ओर भागते दिखाई दिए। वहीं, आयोजकों और प्रशासन के सामने नई चुनौती खड़ी हो गई, क्योंकि इसी कार्यक्रम में सीएम नीतीश कुमार और कई वीआईपी शिरकत करने वाले हैं।

अब प्रशासन और समिति शाम 5:45 बजे दोबारा कार्यक्रम आयोजित करने की तैयारी में जुट गई है। नए सिरे से पुतले बनाए जा रहे हैं ताकि पारंपरिक रावण दहन पूरा हो सके। इस बीच, बारिश से भीगी भीड़ अभी भी मैदान में टिकी है और सुरक्षा इंतज़ामों को लेकर सतर्कता बरती जा रही है। उधर, मौसम विभाग ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि अगले 4-5 दिन बिहार में मानसून पूरी तरह सक्रिय रहेगा। तेज़ बारिश, जलजमाव और बाढ़ का खतरा बढ़ सकता है। साथ ही, वज्रपात को लेकर भी अलर्ट जारी है, जिसके चलते प्रशासन ने लोगों को सतर्क रहने की अपील की है।

पीएम मोदी ने आरएसएस को बताया 'राष्ट्रीय चेतना का पावन अवतार', 100 साल के योगदान को सराहा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी समारोह के अवसर पर एक भावपूर्ण लेख लिखा है। लाखों स्वयंसेवकों को शुभकामनाएँ देते हुए, प्रधानमंत्री ने संगठन को 'शाश्वत राष्ट्रीय चेतना का पावन अवतार' बताया। उन्होंने कहा कि 1925 में विजयादशमी के दिन स्थापित आरएसएस, राष्ट्रीय जागरण की सदियों पुरानी परंपरा का प्रतिनिधित्व करता है जो हर युग की चुनौतियों का सामना करने के लिए पुनः उभरती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह सौभाग्य की बात है कि स्वयंसेवकों की वर्तमान पीढ़ी को आरएसएस के शताब्दी वर्ष में प्रवेश करने का अवसर प्राप्त हो रहा है। अपनी शुभकामनाएँ देते हुए, उन्होंने संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्हें उन्होंने सभी के लिए एक मार्गदर्शक प्रेरणा बताया।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात पर ज़ोर दिया कि आरएसएस अपनी स्थापना के समय से ही राष्ट्र निर्माण के एक विशाल दृष्टिकोण के साथ काम करता रहा है। उन्होंने लिखा कि संघ ने एक सशक्त राष्ट्र निर्माण की नींव के रूप में सशक्त व्यक्तियों के निर्माण का मार्ग चुना। दैनिक 'शाखाएँ' इस यात्रा का माध्यम बनीं, एक ऐसा मंच जहाँ एक स्वयंसेवक 'मैं' से 'हम' की ओर बढ़ना सीखता है। उन्होंने शाखाओं को 'चरित्र निर्माण की यज्ञ वेदी' बताया, जिसने पिछली शताब्दी में विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्र के लिए योगदान देने वाले लाखों स्वयंसेवकों को आकार दिया है।

अपने लेख में, प्रधानमंत्री ने इस बात पर ज़ोर दिया कि आरएसएस हमेशा 'राष्ट्र प्रथम' की भावना को आगे बढ़ाता रहा है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान, डॉ. हेडगेवार और कई स्वयंसेवकों ने इस आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया। स्वतंत्रता के बाद भी, संघ राष्ट्र निर्माण में पूरी तरह से संलग्न रहा, बावजूद इसके कि उसे दबाने के षड्यंत्रों और प्रयासों का सामना करना पड़ा। मोदी ने लिखा कि स्वयंसेवकों ने कभी कटुता को जगह नहीं दी, क्योंकि उनका मानना था कि समाज उनसे अलग नहीं, बल्कि उनका अपना एक हिस्सा है।

प्रधानमंत्री ने अपनी 100 साल की यात्रा में समाज के विभिन्न वर्गों में आत्म-जागरूकता और आत्म-सम्मान जगाने का श्रेय आरएसएस को दिया। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि संगठन ने आदिवासी परंपराओं और मूल्यों की रक्षा सहित सुदूर और दुर्गम क्षेत्रों में भी काम किया है। उन्होंने याद किया कि कैसे गुरुजी गोलवलकर, बालासाहेब देवरस, रज्जू भैया और केएस सुदर्शन जैसे आरएसएस नेताओं ने छुआछूत और सामाजिक भेदभाव के खिलाफ लड़ाई को आगे बढ़ाया। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान प्रमुख मोहन भागवत ने सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए 'एक कुआँ, एक मंदिर और एक श्मशान' का स्पष्ट दृष्टिकोण दिया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वर्तमान युग की चुनौतियाँ एक सदी पहले की चुनौतियों से बहुत अलग हैं। जैसे-जैसे भारत एक विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है, उन्होंने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि आरएसएस ने आज की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए एक मज़बूत रोडमैप तैयार किया है। उन्होंने संघ के 'पाँच परिवर्तन' - आत्म-जागरूकता, सामाजिक समरसता, परिवार जागरण, नागरिक भावना और पर्यावरण संरक्षण - का उल्लेख स्वयंसेवकों के लिए समसामयिक मुद्दों से निपटने हेतु मार्गदर्शक स्तंभों के रूप में किया।

इन परिवर्तनों के महत्व को समझाते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आत्म-जागरूकता का अर्थ है गुलामी की विरासत से मन को मुक्त करना और स्वदेशी की भावना को आगे बढ़ाते हुए भारत की विरासत पर गर्व करना। उन्होंने कहा कि सामाजिक समरसता वंचितों को प्राथमिकता देने और सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने के बारे में है। परिवार जागरण का उद्देश्य सांस्कृतिक मूल्यों और पारिवारिक बंधनों को मज़बूत करना है, जबकि नागरिक भावना का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक में कर्तव्य-बोध का संचार करना है। उन्होंने आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए पर्यावरण संरक्षण पर ज़ोर दिया।

सरकारी योजना ले डूबी 7 मासूम बच्चों की जिंदगी, धड़ल्ले से बिक रहा ब्लैकलिस्टेड कफ सिरप, क्या गुनहगारों को मिलेगी सजा?

जयपुर। राजस्थान के सरकारी अस्पतालों में मुफ्त बांटी जा रही खांसी की दवा बच्चों के लिए राहत नहीं, बल्कि मौत का पैगाम बन गई। डेक्स्ट्रोमेथोर्फन हाइड्रोब्रोमाइड नामक जहरीले साल्ट से बनी एक कफ सिरप ने तीन मासूमों की जान ले ली और कई बच्चों को अस्पतालों में भर्ती करवा दिया। यह घटना सिर्फ मेडिकल लापरवाही नहीं, बल्कि एक सोची-समझी गहरी साठगांठ का नतीजा है - जिसमें दवा कंपनी, सरकारी सिस्टम और नियंत्रण एजेंसियों की मिलीभगत साफ नज़र आती है।

मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा से लेकर राजस्थान के सीकर, जयपुर, भरतपुर और झुंझुनूं तक, हर जगह यही ज़हर खुलेआम बांटा जा रहा था। एक ओर जहां अभिभावक मुफ्त दवा योजना को राहत समझ रहे थे, वहीं अंदर ही अंदर यह जहरीली दवा बच्चों के शरीर को खोखला कर रही थी।

जिस दवा से बच्चों की जान गई, वह पहले से ही दो बार - 2023 और 2025 में- प्रतिबंधित की जा चुकी थी। इसके बावजूद 'केसन फार्मा' नाम की कंपनी न सिर्फ इसे बनाती रही, बल्कि नई पैकेजिंग और फॉर्मूला के नाम पर वही ज़हर फिर से सप्लाई में धकेल दिया गया।

सरकार ने 2025 की शुरुआत में इस दवा को असुरक्षित घोषित किया था, लेकिन अफसरों की आंखें तब तक नहीं खुलीं जब तक बच्चों की मौतें शुरू नहीं हुईं। और यह सब हुआ उस योजना के तहत, जिसका उद्देश्य गरीबों को मुफ्त और सुरक्षित दवा देना था - मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना।

जब मीडिया ने कंपनी से सवाल किए, तो मालिक वीरेंद्र कुमार गुप्ता ने दवा की गुणवत्ता को सही ठहराते हुए डॉक्टर पर 'ओवरडोज़' देने का आरोप मढ़ दिया। मगर सवाल यह है कि एक बार नहीं, दो बार नहीं - बार-बार ब्लैकलिस्ट हो चुकी दवा सरकारी अस्पताल तक पहुंच कैसे गई?

ज़ाहिर है, यह कोई इत्तेफाक नहीं, बल्कि ड्रग कंट्रोल विभाग और दवा आपूर्ति करने वाली सरकारी संस्था आरएमसीएल की मिलीभगत से संभव हुआ।

सरकारी रिकॉर्ड बताते हैं कि 2024 में 101 और 2025 में अब तक 81 दवाएं जांच में फेल हो चुकी हैं। मगर इनमें से बहुत सी दवाएं आज भी खुलेआम अस्पतालों में दी जा रही हैं। यानी ज़हर को सिस्टम ने खुद मंजूरी दी।

भरतपुर के बयाना ब्लॉक में जब एक तीन साल का बच्चा खांसी की शिकायत लेकर अस्पताल पहुंचा, तो उसे यह सिरप दी गई। पीते ही वह बेहोश हो गया और हालत इतनी बिगड़ गई कि उसे वेंटिलेटर पर डालना पड़ा। जब परिजनों ने डॉक्टर से सवाल किया, तो डॉ. ताराचंद योगी ने खुद वही सिरप पी ली – खुद को सही साबित करने के लिए। नतीजा ये हुआ कि डॉक्टर और दो एंबुलेंस कर्मी भी गंभीर हालत में भर्ती हो गए। जयपुर के फोर्टिस अस्पताल में इलाज के बाद डॉक्टर को छुट्टी तो मिल गई, मगर यह घटना सरकारी दावा और हकीकत के बीच की खाई को उजागर कर चुकी थी।

दुर्गा विसर्जन पर दर्दनाक हादसा डीजे की गाड़ी ने पांच को कुचला

गुस्साई भीड़ ने वाहन को लगा दी आग

भोपाल। मध्य प्रदेश के खंडवा में दुर्गा विसर्जन पर दर्दनाक हादसा हो गया। दुर्गा प्रतिमा विसर्जन चल समारोह के दौरान डीजे की गाड़ी ने पांच लोगों को कुचला, जिसमें एक की मौत हो गई चार घायल है, जिनका उपचार किया जा रहा है। गुस्साए ग्रामीणों ने डीजे की गाड़ी को आग लगा दी। घटना की सूचना मिलते ही पंधाना थाना प्रभारी दिलीप सिंह देवड़ा दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे तनाव पूर्ण स्थिति को पुलिस ने संभाला।

मामला पंधाना थाने का होकर अंजनगांव गांव का बताया जा रहा है। प्रदेश के खंडवा जिले के पंधाना थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम अंजनगांव में प्रतिमा विसर्जन के दौरान गुरुवार दोपहर को बड़ा हादसा हो गया, जिसमें एक युवक रामदेव चौहान पिता कैलाश चौहान 30 वर्ष की मौत हो गई। संजू सोलंकी, रविन्द्र सोलंकी, राजेश सोलंकी, मयंक को अस्पताल में भर्ती किया जिसका इलाल जारी है।

दरअसल ये सभी प्रतिमा विसर्जन के जुलूस में शामिल थे और डीजे की धुन पर नाच रहे थे। इसी बीच पीछे से आ रहे एक अन्य प्रतिमा विसर्जन के जुलूस में शामिल डीजे वाहन ने इन्हें जोरदार टक्कर मार दी। घटना के बाद मौके पर अफरा तफरी का माहौल बन गया और हर कोई घायलों को बचाने में जुट गया। हालांकि इस दौरान हादसा करने वाला ड्राइवर मौके से फरार हो गया। इधर घायलों को ग्रामीण पंधाना स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां से दो घायलों को खंडवा जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

ईवा लिस को हराकर कोको गाफ चीन ओपन के सेमीफाइनल में पहुंची

बीजिंग **(एजेंसी)**। गत चैंपियन कोको गाफ ने बृहस्पतिवार को ईवा लिस को 6-3, 6-4 से हराकर लगातार तीसरे साल चीन ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अमेरिका की दूसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को बीजिंग में अपनी सर्विस पर परेशानी हुई और उन्होंने ब्रेक-पॉइंट के सात मौके गंवाए।

लेकिन अपने करियर का पहला डब्ल्यूटीए खिताब जीतने की कोशिश कर रही जर्मनी की खिलाड़ी लिस उनमें से केवल तीन को ही भुना पाईं। लिस को फ्रेंच ओपन चैंपियन के खिलाफ पांच बार अपनी सर्विस गंवाना भारी पड़ा। गाफ के सामने सेमीफाइनल में अमांडा अनिसिमोवा या विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर काबिज जैसमिन पाओलिनी की चुनौती होगी।

दक्षिण अफ्रीका की नजर पहली विश्व कप ट्रॉफी पर इंग्लैंड शुरुआती लय हासिल करने की कोशिश में

गुवाहाटी **(एजेंसी)**। दक्षिण अफ्रीका की महिला क्रिकेट टीम शुक्रवार को यहां इंग्लैंड के खिलाफ महिला वनडे विश्व कप अभियान की शुरुआत करेगी तो उसकी कोशिश पिछले कुछ वर्षों की प्रभावशाली प्रदर्शन को जारी रखने के साथ खिताब के सपने को साकार करने के लिए अच्छी शुरुआत करने की होगी। दक्षिण अफ्रीका ने पिछले दो वनडे विश्व कप में सेमीफाइनल तक का सफर तय किया है और हाल के दोनों टी20 विश्व कप में उपविजेता रही है।

दक्षिण अफ्रीका की टीम पिछले कुछ महीनों में इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, वेस्टइंडीज और पाकिस्तान जैसे देशों को हराने के आत्मविश्वास से लबरेज होकर इस विश्व कप उतर रही हैं। टीम की बल्लेबाजी की कमान शानदार लय में चल रही लौरा वोलवार्ट और ताजमिन बिट्स संभालेंगी जबकि दिग्गज मारिजन कप्प गेंद और बल्ले दोनों से असरदार रहीं हैं। अनुभवी सूने लूस, क्लो ट्रायन और युवा खिलाड़ी नाडीन डे क्लार्क और नंदुमिसो शांगेसे टीम में मजबूत विकल्प पेश करते हैं।

टीम की वोलवार्ट और ब्रिट्स की सलामी जोड़ी पर जरूरत से ज्यादा निर्भरता चिंता का विषय हो सकती है। भारत और कोलंबो की परिस्थितियां स्पिन गेंदबाजों के मुफीद होंगी, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के लिए यह एक कमजोर कड़ी मानी जा रही है। नॉनकुलेको म्लाबा स्पिन आक्रमण की अगुआई करेंगी और उन पर बड़ी जिम्मेदारी होगी। लूस, ट्रायन और शांगेसे में शानदार खिलाड़ी है लेकिन उनके प्रदर्शन में निरंतरता की कमी दिखी है।

इंग्लैंड की टीम इस समय बदलाव के दौर से गुजर रही है और उनका हालिया प्रदर्शन भी मजबूत नहीं रहा है। भारत के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में 1-2 की हार ने उनकी कई कमजोरियों को उजागर किया। इस श्रृंखला में टीम की गेंदबाजी असरहीन दिखी और बल्लेबाजी पूरी तरह नेट सिवर-ब्रंट पर निर्भर रही।

टीम दबाव में बिखरती दिखीं ऐसे उसकी कोशिश टूर्नामेंट की शुरुआत से ही लय पकड़ने की होगी। हीदर नाइट और डैनी वायट-हॉज की वापसी से बल्लेबाजी क्रम में स्थिरता आई है जबकि एमी जोन्स, टैमी ब्यूमोंट, और सोफिया डंकली जैसी बल्लेबाजों को भारतीय पिचें रास आती है। इंग्लैंड का सबसे बड़ा हथियार है उसकी स्पिन गेंदबाजी है। विश्व नंबर एक सोफी एक्लेस्टोन, सारा ग्लेन, चार्ली डीन, और शानदार लय में चल रही लिंसी स्मिथ की चौकड़ी टीम को खतरनाक बनाती है। लॉरेन बेल, लॉरेन फाइलर, और एम एम अरलॉट तेज गेंदबाजी में मोर्चा संभालेंगी।

टीमें- इंग्लैंड : नेट सिवर-ब्रंट (कप्तान), एम अरलॉट, टैमी ब्यूमोंट, लॉरेन बेल, एलिस कैप्सी, चार्ली डीन, सोफिया डंकले, सोफी एक्लेस्टोन, लॉरेन फाइलर, सारा ग्लेन, एमी जोन्स, हीथर नाइट, एम्मा लैम्ब, लिन्से स्मिथ, डैनी व्याट-हॉज।

दक्षिण अफ्रीका : लौरा वोलवार्ट (कप्तान), अयाबोंगा खाका, क्लो ट्रायॉन, नादिन डी क्लर्क, मारिजन कप्प, ताजमिन ब्रिट्स, सिनालो जाफ्ता, नॉनकुलुलेको म्लाबा, एनेरी डर्कसन, एनेके बॉश, मसाबाता क्लास, सुने लुस, काराबो मेसो, तुमी सेखुखुने, नोंदुमिसो शांगासे।

समय : दोपहर बाद तीन बजे।

बैंक अब शेयरों पर एक करोड़ और आईपीओ पर 25 लाख तक लोन दे सकेंगे : आरबीआई प्रस्ताव

मुम्बई **(एजेंसी)**। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को शेयरों के एवज में दिए जाने वाले कर्ज और आईपीओ के वित्तपोषण पर बैंकों की ऋण सीमा बढ़ाने का प्रस्ताव पेश किया जिससे निवेशकों को कर्ज की उपलब्धता बढ़ेगी। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए कहा कि बैंकों द्वारा शेयरों पर दिए जाने वाले ऋण की सीमा 20 लाख रुपए से बढ़ाकर एक करोड़ रुपए और आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए प्रति व्यक्ति वित्तपोषण को 10 लाख रुपए से बढ़ाकर 25 लाख रुपए करने का प्रस्ताव है। उन्होंने कहा कि इस कदम से बैंक निवेशकों को अब अधिक मात्रा में कर्ज मुहैया करा सकेंगे। मल्होत्रा ने बताया कि बैंकों के लिए रियल एस्टेट निवेश ट्रस्ट (रीट) और ढांचागत निवेश ट्रस्ट (इनविट) के एवज में दिए जाने वाले कर्ज की सीमा भी बढ़ाई जाएगी। वहीं सूचीबद्ध ऋण प्रतिभूतियों के लिए ऋण पर मौजूदा नियामकीय सीमा पूरी तरह हटा दी जाएगी।

आरबीआई ने कहा कि बैंकों और अन्य विनियमित संस्थाओं (एनबीएफसी) के पूंजी बाजार संबंधी जोखिम पर क्षेत्रवार और व्यक्तिगत ऋण सीमा के साथ मार्जिन शर्तों के नियम लागू होते हैं। पिछले वर्षों में पूंजी बाजार और बैंकिंग प्रणाली की मजबूती को देखते हुए अब दिशा-निर्देशों को तर्कसंगत बनाना और बैंकों द्वारा पूंजी बाजार ऋण की संभावनाओं को व्यापक बनाना आवश्यक है।

इसके तहत भारतीय कंपनियों द्वारा अधिग्रहण के लिए बैंकों द्वारा वित्तपोषण की सुविधा का भी प्रस्ताव है। मौजूदा नियमों के तहत शेयर अधिग्रहण के लिए बैंकों को आमतौर पर अनुमति नहीं है। इसके अलावा, रिजर्व बैंक पूंजी बाजार मध्यस्थों को ऋण देने के लिए सिद्धांत-आधारित एक ढांचा तैयार करने की योजना बना रहा है। मसौदा दिशानिर्देश जल्द ही जारी किए जाएंगे और इस पर सार्वजनिक प्रतिक्रिया मांगी जाएगी।

मीराबाई चानू वर्ल्ड चैंपियनशिप में चुनौती करेंगी पेश, भारत को मेडल दिलाने की चुनौती

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पूर्व चैंपियन मीराबाई चानू 2 अक्टूबर से नॉर्वे के फोर्डे में शुरू हो रही वर्ल्ड वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में एक बार फिर भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। इस दौरान वह भारत की पदक की उम्मीदों को लेकर नए 48 किग्रा वर्ग में खुद को परखने की कोशिश करेंगी। भारत ने 12 सदस्यीय टीम उतारी है लेकिन 2017 की वर्ल्ड चैंपियन और 2022 की सिल्वर मेडलिस्ट मीराबाई देश की एकमात्र मेडल दावेदार हैं।

2028 लॉस एंजिल्स खेलों के लिए नए ओलंपिक भार वर्ग के साथ 31 साल की मीराबाई ने 49 किग्रा वर्ग से 48 किग्रा वर्ग में जाने का विकल्प चुना है। चोट से जूझ रही टोक्यो ओलंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट मीराबाई ने एक साल के रिहैबिलिटेशन के बाद अगस्त में वापसी की और कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में 193 किग्रा का वजन उठा सकीं। नए ओलंपिक चक्र में पहली वर्ल्ड चैंपियनशिप में मीराबाई अपनी प्रगति के अलावा मुख्य कोच विजय शर्मा के साथ मिलकर नए और परिचित दोनों तरह के प्रतिद्वंद्वियों के प्रदर्शन का भी आकलन करेंगी। शर्मा ने पीटीआई को बताया कि ये टूर्नामेंट हमें ये समझने में मदद करेगा कि मीरा में क्या कमी है और हमें किन चीजों पर काम करने की जरूर है। 48 किग्रा वर्ग में कई नए वेटलिफ्टर हैं इसलिए हम अपने लक्ष्यों को निर्धारित करने और धीरे-धीरे बढ़ने के लिए प्रतिस्पर्धा पर नजर रखेंगे।

एसकेएफ इंडिया समूह 2030 तक मोटर वाहन औद्योगिक क्षेत्रों में 1, 460 करोड़ रुपए तक का करेगा निवेश

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। वाहन कलपुर्जा बनाने वाली प्रमुख कंपनी एसकेएफ इंडिया समूह क्षमता विस्तार और एक नया कारखाना लगाने समेत मोटर वाहन और औद्योगिक क्षेत्रों में 2030 तक 1, 460 करोड़ रुपए तक निवेश करने की योजना बनाई है। समूह ने अपने वाहन और औद्योगिक कारोबार को अलग कर लिया है। कंपनी को उम्मीद है कि अलग हुई औद्योगिक इकाई एसकेएफ इंडिया (इंडस्ट्रियल) लिमिटेड आवश्यक अनुमोदन के बाद इस वर्ष नवंबर तक सूचीबद्ध हो जाएगी।

एसकेएफ इंडिया ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि औद्योगिक कारोबार का विभाजन एक अक्टूबर 2025 से प्रभावी हो गया और राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की मुंबई पीठ ने इस योजना को मंजूरी दे दी है। बयान के अनुसार, ''2030 तक प्रस्तावित 800-950 करोड़ रुपए के निवेश के साथ कंपनी महत्वपूर्ण विस्तार करेगी और 2028 तक पुणे में एक नई विनिर्माण सुविधा स्थापित करेगी।''

इसमें कहा गया, ''कंपनी हरिद्वार, पुणे और बेंगलुरु में 2030 तक 410-510 करोड़ रुपए के नियोजित निवेश के साथ मूल उपकरण विनिर्माण (ओईएम) की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए क्षमता का विस्तार करेगी जिससे वाहन निर्माताओं के लिए पसंदीदा भागीदार के रूप में अपनी भूमिका को मजबूत करेगी और साथ ही अपनी सेवा एवं खुदरा नेटवर्क का विस्तार करेगी।'' विभाजन पर एसकेएफ इंडिया के प्रबंध निदेशक मुकुंद वासुदेवन ने कहा, ''दो केंद्रित एवं स्वतंत्र कंपनियां बनाकर हम भारत के दोहरे विकास इंजन, औद्योगिकीकरण और परिवहन के साथ खुद को जोड़ रहे हैं।''

वित्त मंत्री का महिलाओं को लेकर बड़ा ऐलान, बढ़ सकता है पेंशन कवरेज

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने महिलाओं और गिग वर्कर्स के लिए पेंशन सुरक्षा को मजबूत बनाने की योजना का ऐलान किया है। नई पहल में आसान ऑनबोर्डिंग, पेंशन सखी कार्यक्रम और वित्तीय साक्षरता पर जोर देकर नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) का दायरा बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

सीतारमण ने कहा कि मजबूत पेंशन सिस्टम से घरेलू बचत और लंबी अवधि के लिए पूंजी का उपयोग बढ़ेगा। उन्होंने महिलाओं को 'पेंशन सखी' बनाकर जागरूकता फैलाने की पहल पर जोर दिया। इसके साथ ही, योगदान को एकसमान करने, सही एसेट अलोकेशन और महंगाई से जुड़े लाभ देने की भी जरूरत बताई।

वित्त मंत्री ने कहा कि अब तक एनपीएस की इक्विटी स्कीम्स ने औसतन 13इ सालाना रिटर्न दिया है, जबकि कॉर्पोरेट बॉन्ड और गवर्नमेंट सिक्योरिटीज ने करीब 9इ रिटर्न दिया है। उन्होंने बताया कि 2050 तक भारत में 60 साल से अधिक उम्र की आबादी कुल जनसंख्या का 20.8इ तक पहुंच जाएगी। ऐसे में रिटायरमेंट प्लानिंग आत्मनिर्भर भारत की नींव बनेगी।

मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने कहा कि सरकार रोजगार, आर्थिक विकास और टैक्स सुधारों के जरिए बचत को बढ़ावा दे रही है। कम महंगाई और बढ़ती डिस्पोजेबल इनकम से परिवार अब ज्यादा बचत कर पा रहे हैं।

दिनेश कार्तिक का हांगकांग सिक्सेज के साथ करार, टीम इंडिया की कमान संभालेंगे

हांगकांग **(एजेंसी)**। दिनेश कार्तिक ने हांगकांग सिक्सेज के साथ करार किया है। हाल ही में आईएलटी20 में शारजाह वॉरियर्स के लिए खेलने के लिए सहमत होने के बाद कार्तिक (40) अपने पूर्व भारतीय और तमिलनाडु टीम के साथी आर अश्विन के साथ जुड़ेंगे, जिन्होंने पहले इस सिक्स-ए-साइड टूर्नामेंट में भाग लेने की पुष्टि की थी। आयोजकों, क्रिकेट हांगकांग, ने कहा कि कार्तिक भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे।

कार्तिक ने कहा, 'हांगकांग सिक्सेस में टीम इंडिया का नेतृत्व करना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है। यह एक ऐसा टूर्नामेंट है जिसका इतिहास इतना समृद्ध और वैश्विक है। मैं ऐसे खिलाड़ियों के समूह का नेतृत्व करने के लिए उत्सुक हूँ जिनके नाम अविश्वसनीय रिकॉर्ड् हैं। हम साथ मिलकर प्रशंसकों को खुशी प्रदान करेंगे और निडर और मनोरंजक क्रिकेट खेलेंगे।' यह टूर्नामेंट 7 से 9 नवंबर तक चलेगा। क्रिकेट हांगकांग चीन के अध्यक्ष बुर्जी श्रॉफ ने कहा, 'हमें हांगकांग सिक्सेस 2025 के लिए टीम इंडिया के कप्तान के रूप में दिनेश का स्वागत करते हुए बेहद खुशी हो रही है। उनका नेतृत्व और अनुभव इस प्रतियोगिता में अपार मूल्य जोड़ेंगे, और हमें विश्वास है कि उनकी उपस्थिति दुनिया भर के प्रशंसकों को इस शानदार क्रिकेट उत्सव का गवाह बनने के लिए आकर्षित करेगी।'

इस तीन दिवसीय आयोजन में कुल 12 टीमें भाग लेंगी जिसमें दक्षिण अफ्रीका, अफगानिस्तान, नेपाल, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, यूएई, भारत, पाकिस्तान, कुवैत, श्रीलंका, बंगलादेश और हांगकांग शामिल हैं। टीमों को चार ग्रुप में बांटा गया है और भारत और पाकिस्तान को, उम्मीद के मुताबिक, एक ही ग्रुप (ग्रुप सी) में रखा गया है। प्रत्येक ग्रुप की शीर्ष दो टीमें क्वार्टर फाइनल में प्रवेश करेंगी। क्वार्टर फाइनल की विजेता टीमें कप सेमीफाइनल में खेलेंगी जबकि हारने वाली टीमें प्लेट सेमीफाइनल में खेलेंगी।

प्रत्येक ग्रुप की सबसे निचली टीम बाउल प्रतियोगिता में खेलेगी। प्रतियोगिता में तीन दिनों में 29 मैच होंगे। प्रत्येक मैच छह ओवर का होगा, जिसमें प्रत्येक टीम में छह खिलाड़ी होंगे। विकेटकीपर को छोड़कर प्रत्येक गेंदबाज एक ओवर फेंकेगा और एक गेंदबाज दो ओवर फेंकेगा। सोनी स्पोर्ट्स इस टूर्नामेंट का प्रसारण करेगा।

2000 रुपए के नोट को लेकर आया आरबीआई का नया अपडेट

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। चलन से हटाए जा चुके 2, 000 रुपए के 5, 884 करोड़ रुपए मूल्य के नोट अब भी प्रचलन में हैं। बुधवार को जारी सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 19 मई, 2023 को 2000 रुपए मूल्य के बैंक नोटों को प्रचलन से वापस लेने की घोषणा की थी। हालांकि 2000 रुपए के बैंक नोट अब भी वैध मुद्रा बने हुए हैं।

केंद्रीय बैंक ने एक बयान में कहा कि चलन में मौजूद 2000 रुपए के बैंक नोटों का कुल मूल्य 30 सितंबर, 2025 को कारोबार की समाप्ति पर घटकर 5, 884 करोड़ रुपए रह गया है। 19 मई, 2023 को चलन से हटाए जाते समय कारोबार की समाप्ति पर इन नोटों का कुल मूल्य 3.56 लाख करोड़ रुपए था। इसका मतलब है कि 19 मई, 2023 तक चलन में रहे 2000 रुपए के कुल बैंक नोटों में से 98.35 प्रतिशत अब वापस आ चुके हैं। इन नोटों को बदलने की सुविधा रिजर्व बैंक के 19 निर्गम कार्यालयों में उपलब्ध है। इसके अलावा, भारतीय डाक के माध्यम से 2000 रुपए के नोट अपने बैंक खातों में जमा कराने के लिए रिजर्व बैंक के किसी भी जारीकर्ता कार्यालय में भेजे जा सकते हैं।

रानी मुखर्जी को डेब्यू फिल्म से खुद उनकी मां करना चाहती थीं बाहर, सालों बाद हुआ खुलासा

बॉलीवुड एक्ट्रेस रानी मुखर्जी इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'मर्दानी 3' को लेकर सुर्खियों में है। हाल ही में एक्ट्रेस को बेस्ट एक्ट्रेस 2023 के नेशनल अवॉर्ड से नवाजा गया। इसके अलावा हाल ही में उन्होंने एक ऐसा खुलासा किया, जिसे सुनकर सभी हैरान रह गए। एक्ट्रेस ने अपना एक किस्सा शेयर करते हुए बताया कि जब उनकी डेब्यू फिल्म, 'राजा की आएगी बारात' का स्क्रीन टेस्ट उनकी मां कृष्णा मुखर्जी ने बहुत अजीब रिएक्ट किया था। एक्ट्रेस के पापा ने भी कुछ रिस्पांस नहीं दिया था।

रानी मुखर्जी ने बताया कि, 'मेरी मां का नजरिया कुछ ऐसा था कि तुम कोशिश करो और देखो क्या होता है, लेकिन जब मेरा पहला स्क्रीन टेस्ट हुआ, तो उन्हें मेरा परफॉर्मेंस इतना खराब लगा कि उन्होंने प्रोड्यूसर्स से साफ-साफ कह दिया कि मुझे लगता है कि मेरी बेटी को लेकर आप अपनी फिल्म बर्बाद कर देंगे। आपको नुकसान होगा। बेहतर होगा कि आप इसे साइन न करें। असल में, राजा की आएगी बारात के प्रोड्यूसर सलीम अंकल मुझे साइन करने को लेकर बहुत एक्साइटेड थे, लेकिन मेरी मां इतनी समझदार थीं कि उन्होंने समझ लिया था कि मैं उस वक्त अच्छा काम नहीं कर रही थी। इसलिए उन्होंने उन्हें मना कर दिया और कहा कि मुझे नहीं लगता कि आपको मेरी बेटी को लेना चाहिए।'

आगे रानी ने बताया कि जब उन्होंने फिल्मों में आने की इच्छा जताई तो उनके पिता राम मुखर्जी भी कुछ खास एक्साइटेड नहीं थे। एक्टेस ने कहा, 'पापा इसको लेकर ज्यादा एक्साइटेड नहीं थे, क्योंकि उस समय फिल्मी परिवारों की बेटियों का एक्टिंग करना बहुत आम नहीं था। तब ज्यादातर पुरुष ही इस इंडस्ट्री में काम करते थे, आज की तरह नहीं जहां लगभग हर स्टारकिड अपने पेरेंट्स के नक्शेकदम पर चलना चाहता है। उस दौर में चीजें कुछ अलग थीं। मुझे नहीं लगता कि उस समय फिल्म इंडस्ट्री को एक व्यावहारिक करियर ऑप्शन के रूप में देखा जाता था। जब मैं बड़ी हो रही थी, तब स्कूल में यह कहना कि मैं एक फिल्मी परिवार से हूं, कोई गर्व की बात नहीं मानी जाती थी।'

कभी एक रोल के लिए तरसी एक्ट्रेस, 40 बार हुई थीं रिजेक्ट, फिर पहली फिल्म मिलते ही कर दिया कमाल

फिल्मी दुनिया में एक ब्रेक मिलना भी काफी मुश्किल होता है। आज हम आपको एक ऐसी ही एक्ट्रेस के बारे में बता रहे हैं, जिन्होंने अपनी डेब्यू फिल्म से पहले कुल 40 बार रिजेक्शन झेला। लेकिन कभी हार नहीं मानी और आज इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेस के रूप में जानी जाती हैं। चलिए इन बेहतरीन अदाकारा से आपको मिलवाते हैं, जिनकी एक्टिंग और खूबसूरती के लोग दीवाने हैं। 'कहानी' से लेकर 'भूल भुलैया तक और 'द डर्टी पिक्चर' से लेकर 'लगे रहो मुन्ना भाई तक' इस एक्ट्रेस के हर किरदार ने दर्शकों का दिल जीत लिया है। लेकिन अपने शुरूआती करियर में एक्ट्रेस को दर्जनों रिजेक्शन झेलने पड़े। कुल 40 बार उन्हें रिजेक्ट किया गया।

जी हम बात कर रहे हैं बॉलीवुड की बेहद टैलेंटेड और हसीन अदाकारा विद्या बालन की, जो अपनी डेब्यू फिल्म से पहले कुल मिलाकर 40 बार रिजेक्ट हुई थीं। एक्ट्रेस ने कई बार इस बात का खुलासा किया कि कभी उनके लुक्स तो कभी उनकी बॉडी और स्टाइल को लेकर जज किया जाता था और उन्हें कोई काम नहीं देता था। एक्ट्रेस को कई फिल्ममेकर्स ने यह कहकर रिजेक्ट कर दिया कि वह मूवीज के लिए फिट नहीं हैं। लेकिन इसके बावजूद भी विद्या ने कभी हार नहीं मानी और अपने लक्ष्य की ओर बढ़ती रही। फिर एक दिन वो वक्त आय जब उन्हें उनकी पहली फिल्म 'परिणीता' ऑफर हुई। यह एक जबरदस्त क्लासिक फिल्म है, जिसमें विद्या बालन की एक्टिंग को खूब सराहा गया। इस फिल्म के बाद एक्ट्रेस की किस्मत बदल गई। उनके पास फिल्मों की लाइन लग गई।

परिणीता के बाद विद्या बालन पूरी इंडस्ट्री में छा गई। इसके बाद विद्या ने कहानी', 'भूल भुलैया', 'द डर्टी पिक्चर' जैसी कई सुपरहिट फिल्में दीं। आज विद्या बालन का संघर्ष लाखों कलाकारों के लिए एक मिसाल हैं। 40 बार रिजेक्शन झेलने बाद भी वो रुकी नहीं और एक से बढ़कर एक लाजवाब किरदार निभाए। उनकी बेहतरीन फिल्में आज भी दर्शकों के दिल में बसती हैं।

लेह में बाज़ार खुले, एलजी बोले- लद्दाख की हर उम्मीद पूरी करेगी केंद्र सरकार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। लद्दाख के लेह शहर के निवासी गुरुवार को कर्फ्यू में ढील का आनंद ले रहे हैं। प्रशासन द्वारा दी गई ढील के तहत दुकानें खुलने के बाद सड़कों पर वाहनों और पैदल यात्रियों की भीड़ उमड़ पड़ी। आज सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक बाज़ार खुलेंगे, जिससे उन लोगों को राहत मिलेगी जो आखिरकार अपने घरों से बाहर निकल पा रहे हैं। एक स्थानीय निवासी ने बताया, 'बाज़ार एक हफ़्ते से बंद थे।' यह विरोध प्रदर्शन लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर लोगों द्वारा किया जा रहा था, जो लेह में पुलिस अधिकारियों के साथ झड़पों में बदल गया।

इससे पहले, लद्दाख के उपराज्यपाल (एलजी) कविंदर गुप्ता ने ज़ोर देकर कहा कि केंद्र सरकार 'लद्दाख की सभी उम्मीदों को पूरा करने' के लिए काम कर रही है और उम्मीद जताई कि मामला जल्द ही सुलझ जाएगा। गुप्ता ने एएनआई को बताया वे (लद्दाख के नेता जो विरोध प्रदर्शन का हिस्सा थे) प्रशासन के साथ बातचीत कर रहे हैं, और वर्तमान घटनाक्रम को देखते हुए, हम बातचीत की मेज पर भी चर्चा कर सकते हैं। एक बार ऐसा माहौल बन जाए, तो हम बातचीत शुरू करेंगे। प्रशासन ने लोगों के हितों का प्रतिनिधित्व करने की कोशिश की है... मैं पिछले दो महीनों से यहाँ हूँ, और मैंने किसी भी बैठक को अस्वीकार नहीं किया है। लोग मेरी बात सुनते हैं और समाधान की दिशा में काम करते हैं।

एलजी गुप्ता ने कहा कि प्रशासन रोज़गार सृजन के लिए कदम उठा रहा है और अन्य क्षेत्रों के लोगों को शामिल करने के प्रयास भी जारी हैं। एलजी गुप्ता ने कहा कि यहाँ रोज़गार सृजन के प्रयास जारी हैं। हमने लगभग 1, 000 पदों के लिए विज्ञापन दिया है। इसके अतिरिक्त, हम पर्यटन, शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्रों में लोगों को शामिल करने के लिए काम कर रहे हैं। यहाँ 18, 000 एमएसएमई इकाइयाँ हैं, जिनमें 50, 000 से ज़्यादा लोग कार्यरत हैं।

इस बीच, एलजी गुप्ता ने बुधवार को केंद्र शासित प्रदेश में मौजूदा कानून-व्यवस्था की स्थिति का जायज़ा लेने के लिए एक उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में मुख्य सचिव पवन कोतवाल, पुलिस महानिदेशक एसडी सिंह जामवाल, डीआईजी श्रीनगर दक्षिण पीके सिंह, लेह के उपायुक्त, लेह के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार, सीओ 79, रजत जैन, सीओ 25 और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। अधिकारियों ने उपराज्यपाल को नवीनतम सुरक्षा परिदृश्य और क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता बनाए रखने के लिए किए गए उपायों से अवगत कराया। 24 सितंबर को हुई हिंसा में पुलिस की जवाबी कार्रवाई में चार लोगों की जान चली गई थी, जब प्रदर्शनकारियों ने एक राजनीतिक पार्टी के कार्यालय में आग लगा दी थी।

पीएम मोदी ने मल्लिकार्जुन खड़गे से की बात सर्जरी के बाद शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से बात की और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। उन्होंने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की। एक्स पर एक पोस्ट में, प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा, 'खड़गे जी से बात की। उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उनके निरंतर स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना करता हूँ।' खड़गे, जिन्हें हाल ही में पेसमेकर लगाया गया था, की हालत स्थिर बताई गई है और उनके 3 अक्टूबर से अपने आधिकारिक कार्यों को फिर से शुरू करने की उम्मीद है, उनके बेटे और कर्नाटक के आईटी मंत्री प्रियांक खड़गे ने कहा।

एक्स पर साझा की गई एक पोस्ट में, प्रियांक खड़गे ने कहा, 'श्री खड़गे के लिए पेसमेकर प्रत्यारोपण प्रक्रिया आज सफलतापूर्वक पूरी हो गई। यह एक छोटी और मामूली प्रक्रिया थी और प्रक्रिया के बाद उनकी हालत स्थिर है। उनके 3 अक्टूबर से अपना काम फिर से शुरू करने

और अपने सभी निर्धारित कार्यक्रमों में शामिल होने की उम्मीद है। सभी की चिंता, समर्थन और स्नेह के लिए हम आभारी हैं।' एक दिन पहले, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को इलाज के लिए बेंगलुरु के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इस बीच, खड़गे 7 अक्टूबर को कोहिमा का दौरा करेंगे और नागा सॉलिडैरिटी पार्क में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। नागालैंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और लोकसभा सांसद एस सुपोंगमेरेन जमीर ने कोहिमा स्थित कांग्रेस भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान यह घोषणा की।

जमीर के अनुसार, कांग्रेस को इस रैली में कम से कम 10, 000 लोगों के जुटने की उम्मीद है। 'सुरक्षित लोकतंत्र, सुरक्षित धर्मनिरपेक्षता और सुरक्षित नागालैंड' थीम पर आधारित इस कार्यक्रम में युवा रोज़गार, उद्यमिता, सुशासन और सड़क संपर्क जैसे प्रमुख मुद्दों पर भी प्रकाश डाला जाएगा। बयान में कहा गया है कि रैली के बाद खड़गे और कांग्रेस राजनीतिक मामलों की समिति, समर्थक समिति और जिला कांग्रेस समितियों (डीसीसी) के अध्यक्षों के वरिष्ठ सदस्यों के बीच अलग-अलग बैठकें होंगी।

कांग्रेस सांसद ने ज़ोर देकर कहा कि यह रैली न केवल एक पार्टी समारोह है, बल्कि नागालैंड और पूर्वोत्तर के सामने आने वाली चुनौतियों से निपटने का एक राजनीतिक मंच भी है। उन्होंने नागरिकों, खासकर अल्पसंख्यकों से रैली में शामिल होने और अपनी चिंताओं को आवाज़ देने की अपील की, जिसे उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय नेता आगे बढ़ाएँगे।

बागेश्वर बाबा बोले- गुरु जी ने मुझे डांटा, कहा- 'तुमको जी हजूरी करने के लिए शक्ति नहीं दी'

छतरपुर **(एजेंसी)**। मध्य प्रदेश के छतरपुर के गढ़ा स्थित बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर और कथा वाचक बागेश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने वीआईपी और वीवीआईपी मुलाकातें बंद करने का ऐलान किया है। बाबा ने कहा है कि वे अब बाबा केवल सच्चे श्रद्धालुओं को ही दर्शन और आशीर्वाद देंगे।

धीरेंद्र शास्त्री ने इस मामले में बड़ा खुलासा करते हुए बताया कि उनके गुरु जी सपने में आकर उन्हें डांटा और कहा कि 'तुमको जी हजूरी करने के लिए शक्ति नहीं दी है।' इसी कारण उन्होंने नौ दिन प्रायश्चित किया और लगातार जप किए। बाबा ने स्पष्ट किया कि अब दर्शन के लिए समय लेना होगा, उनके समय से ही मुलाकात होगी। उन्होंने कहा कि 2 वीआईपी के टाइम में 20 गरीबों को पंडाल में दर्शन हो जाते हैं। हम उनका भला करेंगे।

धीरेंद्र शास्त्री ने भक्तों से कहा कि धाम पर अब कोई वीआईपी प्रोटोकॉल मान्य नहीं होगा। उनका कहना है कि हनुमान जी ने कृपा तो दी है, लेकिन एसी में बैठने वाले या पदों के हिसाब से आशीर्वाद देने की शक्ति नहीं। उन्होंने कहा, 'अगर आपके अंदर धैर्य और श्रद्धा है तो समय लेकर आओ, सेवक और भक्त बनकर आओ। नहीं तो बहुत गुरु जी हैं, उनके पास जाओ।'

धीरेंद्र शास्त्री ने यह भी बताया कि धाम में 100 करोड़ की लागत वाला 100 बेड का रिसर्च सेंटर और अस्पताल बनाया जा रहा है। इसमें गरीबों का मुफ्त इलाज होगा। बाबा ने कहा कि अब मंदिर में अस्पताल का निर्माण होगा, जहां कैंसर और अन्य गंभीर रोगों का इलाज होगा। उनका यह कदम सामाजिक भलाई और सेवा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लिया गया है।

भाजपा सांसद पर अचानक आईं देवी, पूजा में झूमने लगे बोले -15 - 20 सालों से मुझ पर माता आती हैं

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में नवरात्र ज्योति कलश विसर्जन के दौरान एक अनोखा दृश्य देखने को मिला। अंतागढ़ के शीतला माता मंदिर में बीजेपी सांसद भोजराज नाग पर देवी विराजमान हो गईं। पूजा-पाठ के बीच सांसद झूमने लगे, उनके शरीर में कंपन होने लगा। इसी दौरान सांसद की मां नूतन नाग ने उनके चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया। 'पिछले 15-20 सालों से मुझ पर धनोरा स्थित बूढ़ी माता आती हैं। हमारे हिंदू परंपरा में देवी-देवता लोगों पर आते हैं। देवी का काम क्षेत्र की उन्नति करना है।'

यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि हमारे सांसद बैगा परंपरा से हैं और उन्हें देवी आती हैं।"देश में शायद ही कोई सांसद होगा, जिसे देवी आती हो। यह हमारे गांव का सौभाग्य है।' हर साल की तरह इस बार भी सैकड़ों श्रद्धालु शीतला माता मंदिर पहुंचे। सभी ने सांसद भोजराज नाग पर देवी आने का दृश्य अपनी आंखों से देखा और माता का जयकारा लगाया।

भारत-चीन ने मिलाया हाथ! 5 साल बाद शुरू होंगी दोनों देशों के बीच सीधी उड़ानें

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने गुरुवार को कहा कि भारत और चीन पांच साल से अधिक समय के बाद इस महीने के अंत में सीधी उड़ानें फिर से शुरू करेंगे। बजट एयरलाइन इंडिगो ने कहा कि वह 26 अक्टूबर, 2025 से कोलकाता से गुआंगझोउ के बीच नॉन-स्टॉप दैनिक उड़ानें शुरू करेगी। एयरलाइन इसके तुरंत बाद दिल्ली और गुआंगझोउ के बीच सीधी सेवा शुरू करने की भी योजना बना रही है।

कोविड-19 महामारी के प्रकोप और विवादित हिमालयी सीमा पर घातक झड़पों के बाद राजनयिक संबंधों में आई तीव्र गिरावट के बाद, दोनों देशों के बीच सीधी यात्री उड़ानें 2020 में निलंबित कर दी गई थीं। हवाई संपर्क में ठहराव के बावजूद, चीन भारत का सबसे बड़ा द्विपक्षीय व्यापार साझेदार बना हुआ है, हालाँकि अपने पड़ोसी देश के साथ भारत का व्यापार घाटा लगातार बढ़ रहा है, जो लगभग 99.2 अरब डॉलर तक पहुँच गया है।

उड़ानों की बहाली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए सात साल में पहली बार चीन यात्रा के कुछ हफ़्ते बाद हुई है। इस यात्रा के दौरान, मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने दोनों देशों को 'प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि विकास साझेदार' बताया और बढ़ती वैश्विक टैरिफ अनिश्चितता के बीच व्यापार और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा की।

साथ ही, मोदी ने व्यापार असंतुलन पर भारत की चिंताओं को उठाया और वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर 'शांति और स्थिरता' की आवश्यकता को रेखांकित किया, जहां 2020 के गलवान घाटी संघर्ष के बाद से लंबे समय तक सैन्य गतिरोध के बाद से तनाव बढ़ गया है।

ब्रिटेन में पाकिस्तानी गैंग की काली करतूत : 2 नाबालिग लड़कियों का बार-बार किया रेप, 20 पुरुषों से एक साथ करवाया बलात्कार

लंदन **(एजेंसी)**। उत्तर इंग्लैंड के रॉचडेल शहर में हुए भयानक यौन शोषण कांड ने एक बार फिर सबको झकझोर दिया है। ब्रिटिश-पाकिस्तानी मूल के सरगना मोहम्मद जाहिद और उसके छह साथियों को दो नाबालिग लड़कियों को सेक्स गुलाम बनाने, उन्हें प्रलोभित करने और बार-बार बलात्कार करने के आरोप में लंबी सजाएं सुनाई गई हैं। मैनचेस्टर क्राउन कोर्ट ने मोहम्मद जाहिद को 35 साल की कठोर कारावास की सजा दी, जबकि अन्य आरोपी 12 से 29 साल तक की सजा भुगतेंगे। यह मामला ब्रिटेन के कुख्यात ग्रूमिंग गैंग कांडों का हिस्सा है, जिसमें कमजोर लड़कियों को लंबे समय तक निशाना बनाया गया।

सुनवाई में पता चला कि यह गिरोह 2000 के दशक के मध्य से सक्रिय था। पीड़ित लड़कियों की उम्र उस समय केवल 13 साल थी। अदालत में उन्हें गर्ल ए और गर्ल बी के नाम से पेश किया गया। 65 वर्षीय सरगना जाहिद, जो रॉचडेल मार्केट में अंडरगारमेंट्स की दुकान चलाता था, ने लड़कियों को मुफ्त अंडरवियर, नकद पैसे, शराब और भोजन देकर उनका विश्वास जीता और धीरे-धीरे उन्हें अपने और साथी अपराधियों के यौन शोषण के लिए मजबूर किया। पीड़ितों ने बताया कि उनका फोन नंबर 200 से अधिक अपराधियों में बांटा गया था। एक 15 वर्षीय लड़की इतनी नशे में थी कि 20 पुरुषों ने उसे एक के बाद एक बलात्कार किया, जबकि दूसरी लड़की बिस्तर के किनारे उल्टी कर रही थी। एक 13 वर्षीय लड़की गर्भवती हो गई और उसे गर्भपात कराना पड़ा।

सातों आरोपी ब्रिटिश-पाकिस्तानी मूल के थे, जिनमें मार्केट स्टॉलधारक, टैक्सी ड्राइवर और अन्य शामिल थे। जाहिद और एक अन्य आरोपी पहले भी इसी तरह के मामलों में सजा काट चुके थे। कुल मिलाकर 20 से अधिक अपराध सिद्ध हुए।यह मामला 2008-2009 में सामने आए रॉचडेल बाल यौन शोषण कांड का हिस्सा है। जांच में पाया गया कि 1997 से 2013 तक पाकिस्तानी मूल के गिरोहों ने सैकड़ों लड़कियों का शोषण किया। ग्रेटर मैनचेस्टर पुलिस की विशेष इकाई ने अब तक 32 अपराधियों को 474 साल की कुल सजा दिलाई। रदरहम, हडर्सफील्ड और अन्य शहरों में भी इसी तरह के कांड सामने आए।

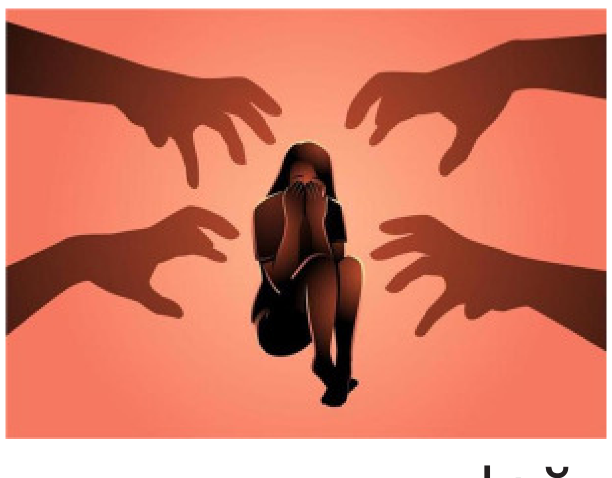

2025 में बैरोनेस केसी की रिपोर्ट में पुष्टि हुई कि ग्रुप-बेस्ड चाइल्ड सेक्शुअल एक्सप्लॉइटेशन में एशियाई पुरुषों की असमानुपातिक भागीदारी है। एनएसपीसीसी ने इसे भयानक और क्रूर शोषण करार दिया और माता-पिता व शिक्षकों को सतर्क रहने की सलाह दी।पीड़ित महिलाओं ने साहसपूर्वक अदालत में गवाही दी। गर्ल बी ने कहा, 'हमारी जिंदगी बर्बाद हो गई, लेकिन हम चुप नहीं रहेंगी।' यह मामला न केवल अपराधियों को सजा देता है, बल्कि ब्रिटेन की संस्थाओं की विफलताओं पर भी सवाल उठाता है।

पीओके में हालात बदतर : हिंसक प्रदर्शनों में 9 की मौत व सैंकड़ों घायल, टेंशन में पाक पीएम शहबाज

इस्लामाबाद **(एजेंसी)**। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में बिगड़ती कानून-व्यवस्था की स्थिति पर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बृहस्पतिवार को 'गहरी चिंता' व्यक्त की है। उन्होंने हिंसक विरोध प्रदर्शनों को समाप्त करने के वास्ते समाधान खोजने के लिए गठित वार्ता समिति का विस्तार किया है। जम्मू कश्मीर ज्वाइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेकेजेएसी) और पीओके तथा संघीय सरकार के प्रतिनिधियों के बीच वार्ता के दौरान प्रदर्शनकारियों द्वारा उठाए मुद्दों को हल करने में नाकाम रहने के बाद जेकेजेएएसी ने तीन दिन की हड़ताल की। इसके बाद शरीफ ने यह कदम उठाया। 'द न्यूज' की एक खबर के मुताबिक, इदख में जारी प्रदर्शनों के दौरान कम से कम छह नागरिकों और तीन पुलिस कर्मियों की मौत हुई है।

स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि प्रदर्शनों में लगभग 172 पुलिस कर्मी जख्मी हुए, जिनमें से 12 की हालत गंभीर बताई गई है। अखबार ने यह भी बताया कि हिंसक प्रदर्शनों के दौरान लगभग 50 नागरिक भी घायल हुए। प्रधानमंत्री कार्यालय के एक बयान

में कहा गया कि शरीफ ने 'विरोध प्रदर्शनों के दौरान दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं पर गहरी चिंता' व्यक्त करते हुए मामले की पारदर्शी जांच के आदेश दिए हैं। शरीफ ने कानून प्रवर्तन एजेंसियों को प्रदर्शनकारियों के साथ संयम के साथ बर्ताव करने का भी निर्देश दिया है। बयान में कहा गया, 'प्रधानमंत्री ने नागरिकों से शांति बनाए रखने की पुरजोर अपील की है। उन्होंने गुजारिश की कि शांतिपूर्ण विरोध हर नागरिक का संवैधानिक और लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन प्रदर्शनकारियों को लोक व्यवस्था को नुकसान पहुंचाने से बचना चाहिए।'

बयान में कहा गया है कि 'इस मुद्दे का शांतिपूर्ण समाधान खोजने के लिए, सरकार के स्तर पर, प्रधानमंत्री ने वार्ता समिति का विस्तार करने का फैसला किया है।' विस्तारित समिति में अब सीनेटर राणा सनाउल्लाह, संघीय मंत्री सरदार यूसुफ, अहसान इकबाल, पीओके के पूर्व 'राष्ट्रपति' मसूद खान और पूर्व मंत्री कमर जमां कैरा भी शामिल होंगे। पीओके के 'प्रधानमंत्री' चौधरी अनवार-उल-हक और संघीय मंत्री तारिक फजल चौधरी के नेतृत्व वाली एक समिति पहले से ही प्रदर्शनकारियों के साथ बातचीत कर रही है। हक और चौधरी ने जेकेजेएएसी को नए सिरे से बातचीत के लिए बुधवार को आमंत्रित किया था।

जेकेजेएसी ने मांगे पूरी नहीं होने के मुद्दे पर हड़ताल का आह्वान किया था, जिसके दौरान प्रतिद्वंद्वी समूहों ने भी एक साथ विरोध प्रदर्शन किए। बुधवार को मीडिया में आई खबरों के मुताबिक, मुजफ्फराबाद में दुकानें, होटल और व्यावसायिक केंद्र बंद रहे, जबकि सार्वजनिक परिवहन सड़कों से नदारद रहा। खबरों में कहा गया कि स्कूल आधिकारिक तौर पर खुले थे, लेकिन छात्र घर पर ही रहे। जेकेजेएएसी ने 38-सूत्रीय मांगें जारी की थी, जिसमें शरणार्थियों के लिए 12 आरक्षित सीटों को समाप्त करने और 'कुलीन वर्ग के विशेषाधिकारों' को वापस लेने की मांग शामिल थी।

चीन का ताइवान पर आक्रमण का फुल प्लान! 'मॉक ताइपेई' युद्ध-जोन तैयार, सैन्य अभ्यास किया तेज

बीजिंग **(एजेंसी)**। ताइवान और चीन के बीच बढ़ते तनाव के बीच चीन ने आक्रामक सैन्य विस्तार को तेज कर दिया है। बीजिंग ने इंटरनल मंगोलिया के झुरीहे ट्रेनिंग बेस में ताइपेई के सरकारी भवनों की विशाल नकली प्रतिकृति तैयार की है। यह विस्तार पिछले पांच वर्षों में लगभग तीन गुना बड़ा हो गया है। विशेषज्ञ इसे ताइवान पर दबाव बनाने और संभावित आक्रमण की तैयारी के रूप में देख रहे हैं। चीन ने ताइवान पर दबाव बढ़ाने के लिए झुरीहे ट्रेनिंग बेस, इंटर्नल मंगोलिया में ताइपेई के सरकारी भवनों की विशाल नकली प्रतिकृति तैयार की है। सैटेलाइट इमेज से पता चला है कि यह मॉक साइट 2020 के बाद लगभग तीन गुना बड़ा हो गया है। मॉक ताइपेई का निर्माण चीन की सैन्य शक्ति और आक्रामकता को दर्शाता है। इसके माध्यम से चीन ताइवान और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को यह संदेश देना चाहता है कि वह ताइवान पर दबाव बनाने और सैन्य विकल्पों को लागू करने के लिए तैयार है। इस नकली ताइपेई में ताइवान का राष्ट्रपति कार्यालय, न्यायालय (जुडिशियल युआन), विदेश मंत्रालय और हाल ही में रक्षा मंत्रालय का रिजर्व कमांड शामिल हैं। इसके अलावा 280 किलोमीटर लंबा सुरंग मार्ग भी बनाया गया है, जो दिखाता है कि ताइवान के नेता भूमिगत आश्रयों का भी लाभ नहीं उठा सकते।

चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) पिछले एक दशक से इन नकली भवनों में युद्धाभ्यास कर रही है। सैटेलाइट इमेज में सैनिकों को सड़क अवरोध हटाते और बख्तरबंद ब्रिगेड्स के साथ शहरी युद्धाभ्यास करते देखा गया है। पीएलए यहां वास्तविक युद्ध की तैयारी और रणनीति सुधार पर ध्यान दे रही है।

भूकंप के जोरदार झटकों से हिली धरती डरे सहमे लोग घरों से बाहर भागे

सिमाव **(एजेंसी)**। तुर्की के उत्तर-पश्चिमी कुताह्या प्रांत में रविवार दोपहर धरती अचानक कांप उठी। रिक्टर स्केल पर 5.4 की तीव्रता दर्ज इस भूकंप से लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए। फिलहाल किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन झटकों की तीव्रता ने लोगों की धड़कनें तेज़ कर दीं। आपातकालीन एजेंसी एएफएडी के मुताबिक, भूकंप का केंद्र सिमाव शहर के पास 8 किलोमीटर गहराई में था। यह झटका स्थानीय समयानुसार 12:59 बजे महसूस किया गया। इसके कुछ देर बाद 4.0 तीव्रता का आफ्टरशॉक भी आया।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इस भूकंप के झटके तुर्की के सबसे बड़े शहर इस्तांबुल तक महसूस किए गए, जो केंद्र से करीब 100 किलोमीटर दूर है। टीवी फुटेज में कुताह्या के लोग खुले मैदानों और पार्कों में शरण लेते दिखाई दिए।

यह इलाका पहले भी भूकंप की मार झेल चुका है। अगस्त में पड़ोसी प्रांत बालिकेसिर में 6.1 की तीव्रता का भूकंप आया था, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। वहीं, फरवरी 2023 का 7.8 तीव्रता वाला भूकंप अब भी लोगों की यादों में ताज़ा है, जिसने तुर्की और सीरिया में 59, 000 से अधिक जानें ले ली थीं।

हसीना के बेटे का आरोप : बांग्लादेश में हिंदूओं ने दहशत में मनाया दुर्गा पूजा पर्व, यूनुस सरकार ने चरमपंथ को दिया बढ़ावा

काठमांडु **(एजेंसी)**। इस साल बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों ने दुर्गा पूजा डर और असुरक्षा के माहौल में मनाई। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के बेटे और पूर्व आईसीटी सलाहकार, साजिब वाजेद ने आरोप लगाया कि मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने चरमपंथ को बढ़ावा दिया है। इससे देश में धार्मिक उत्पीड़न फिर से बढ़ गया है और हिंदू समुदाय इस वर्ष पूजा के दौरान भय और असुरक्षा का सामना कर रहा है। वाजेद ने बताया कि इस साल कई मंदिरों पर हमले हुए, परिवारों को धमकाया गया और लोगों का स्वतंत्र रूप से पूजा करने का अधिकार खतरे में पड़ गया। उनका कहना है कि वही चरमपंथी अब फिर से सक्रिय हो गए हैं, जिन्होंने पहले बांग्लादेश की मुक्ति संग्राम की भावना का विरोध किया था।

साजिब वाजेद ने याद दिलाया कि अवामी लीग हमेशा अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा करती रही है। पार्टी ने 1971 के युद्ध के बाद कई मंदिरों का पुनर्निर्माण किया, हिंदू, बौद्ध और ईसाई समुदायों को अपने धर्म का पालन करने की स्वतंत्रता दिलाई और सांप्रदायिक हिंसा को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए।उन्होंने यह भी कहा कि बांग्लादेश को हमेशा समानता और धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांतों पर चलाना चाहिए।

वाजेद ने आश्वासन दिया कि अवामी लीग सत्ता में लौटने पर सभी अल्पसंख्यक धर्म के अनुसार पूजा कर सकेंगे और बिना डर के जीवन जी सकेंगे। उन्होंने कहा, 'आज जब हमारे हिंदू भाई-बहन मां दुर्गा के प्रति भक्ति प्रकट कर रहे हैं, हमें उनके चारों ओर फैले भय को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। लेकिन हमें विश्वास है कि यह अंधकार स्थायी नहीं रहेगा।'साजिब वाजेद ने यह भी चेताया कि धार्मिक चरमपंथ को रोकना केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। समाज के सभी वर्गों, माता-पिता, शिक्षकों और नागरिकों को सतर्क रहने और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की आवश्यकता है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 | Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 | Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2012/52437 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स टिकरी, कमला नगर, प्रयागराज से मुद्रित एवं 80-ए मेहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 से प्रकाशित एवं सम्पादित।
● सम्पादक विनीता शर्मा ● मोबाइल : 9415975437, 7007837917, 9415223357 ● E-Mail : editormantrabharat@gmail.com ● वैधानिक सूचना:- मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र प्रयागराज न्यायालय होगा।